मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 28 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ शुक्लपक्ष 10 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 137 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ कागजी सम्मान की चमक में खोता वास्तविक योगदान

गुजरात के खिलाफ जुझारु पारी के बाद बोली निकी प्रसाद-ये परिस्थितियां मेरे लिए सिखने के पल हैं 6

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का विमान हादसे में निधन

- बारामती में लैंडिंग के दौरान रनवे पर क्रैश हुआ प्लेन,जलकर खाक
- विमान में सवार सभी पांच लोग मारे गये

नई दिल्ली: महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार सुबह उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की एक विमान हादसे में मौत हो गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि विमान में चालक दल के दो सदस्य और तीन यात्री सवार थे। रनवे पर उतरते समय विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। हादसे में सभी पांच सवारों की मौत हो गई। यह वीएसआर वेंचर्स का छोटा लीयरजेट विमान था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वीएसआर एविएशन द्वारा संचालित निजी विमान लियरजेट पैंतालीस सुबह करीब पौने नौ बजे बारामती हवाई पट्टी पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में अजित पवार के साथ एक निजी सुरक्षा अधिकारी, एक सहायक और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार विमान में सवार सभी पांच लोगों की इस हादसे में मौत हो गई है।

स्थानीय लोग इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी रहे और सूचना मिलते ही एम्बुलेंस तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंच गईं। दुर्घटना के कारणों और विमान को हुई क्षति की जांच की जा रही है। अजित पवार बारामती में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए रैलियों सहित कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले थे। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बुनियादी ढांचे पर महाराष्ट्र कैबिनेट समिति की बैठक में भाग लिया था।

इस दुर्घटना से पूरे महाराष्ट्र में शोक की लहर दौड़ गई है और विभिन्न नेताओं तथा नागरिकों ने उपमुख्यमंत्री के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अहमदनगर जिले के राहुरी तालुका के देवलाली प्रवरा में 22 जुलाई 1959 को जन्मे अजित पवार महाराष्ट्र के एक प्रमुख राजनीतिक नेता थे, जिन्हें उनके समर्पण और गतिशील नेतृत्व के लिए जाना जाता था।

वह चार बार उपमुख्यमंत्री रहे और उन्होंने सांसद, विधायक तथा विभिन्न विभागों के राज्य मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। जनता के बीच दादा के नाम से लोकप्रिय अजित पवार अपनी समयबद्धता, स्पष्टवादिता और जन सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते थे। पिछले तीन दशकों में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास में उनके कार्यों ने किसानों के कल्याण से लेकर औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास तक महाराष्ट्र के विकास को आकार दिया है।

पीएम मोदी ने जताया शोक

नयी दिल्ली : वहीं, हादसे को लेकर पीएम मोदी ने शोक जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र के बारमाती में हुए दुखत विमान हादसे से बहुत दुख हुआ। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों को शक्ति और हिम्मत मिले, इसके लिए प्रार्थना करता हूं।

अजित पवार के साथ तस्वीर शेयर करते हुए पीएम मोदी ने कहा, अजित पवार जनता के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत जुड़ाव था। महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने में सबसे आगे रहने वाले एक मेहनती शख्स के तौर पर उनका बहुत सम्मान किया जाता था। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीब और पिछड़े लोगों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी काबिले तारीफ था। उनका असमय निधन बहुत चौंकाने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं।

अजीत पवार का आकस्मिक निधन अपूरणीय क्षति : हेमंत सोरेन

रांचीः महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बारामती में हुए विमान हादसे में आकस्मिक निधन के बाद राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है।

अजीत पवार का आकस्मिक निधन अपूरणीय क्षति : सीएम हेमंत ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, महाराष्ट्र के बारामती में प्लेन क्रैश में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार समेत अन्य लोगों के आकस्मिक निधन का अत्यंत हृदय विदारक समाचार मिला। स्व अजीत का आकस्मिक निधन महाराष्ट्र की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने भारी संवेदना व्यक्त करते हुए आगे कहा मरांग बुरु दिवंगत अजीत तथा अन्य लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों, पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का माघ मेला छोड़ने का ऐलान, काशी के लिए रवाना, बोले-

बिना स्नान दुखी मन से लौटना पड़ रहा

प्रयागराजः मौनी अमावस्या के दिन माघ मेले में हुई कथित मारपीट की घटना को लेकर जारी विवाद के बीच शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने प्रयागराज माघ मेला छोड़ने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने बुधवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मन अत्यंत दुखी होने के कारण वह बिना संगम स्नान किए ही काशी लौट रहे हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि प्रयागराज सदैव आस्था और शांति की भूमि रही है। श्रद्धा के साथ यहां आए थे, लेकिन एक ऐसी घटना घटित हुई जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी। इस घटना ने उनकी आत्मा को झकझोर कर रख दिया है और न्याय व मानवता के प्रति उनका विश्वास कमजोर हुआ है।

उन्होंने बताया कि माघ मेला प्रशासन की ओर से उन्हें एक पत्र और प्रस्ताव भेजा गया था, जिसमें पूरे सम्मान के साथ पालकी द्वारा संगम ले जाकर स्नान कराने की बात कही गई थी। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि जब मन में दुख और आक्रोश हो, तब पवित्र संगम जल भी शांति प्रदान नहीं कर पाता। शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि प्रशासन सुविधाएं देकर उन्हें संतुष्ट करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन मौनी अमावस्या की घटना और कथित मारपीट पर एक शब्द भी नहीं कहा गया। उन्होंने इसे लोभ और लालच करार देते हुए कहा कि इससे उनकी अंतरात्मा को गहरी चोट पहुंची है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की नीयत अभी भी ठीक नहीं है और सरकारी सुविधाएं देकर संतों को अपने पक्ष में करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कारण उन्होंने माघ मेला छोड़ने का निर्णय लिया।

उल्लेखनीय है कि माघ मेला 15 फरवरी तक चलना है, जबकि अभी दो प्रमुख स्नान पर्व माघी पूर्णिमा (1 फरवरी) और महाशिवरात्रि (15 फरवरी) शेष हैं। विवाद के चलते शंकराचार्य ने 18 दिन पूर्व ही माघ मेला छोड़ दिया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे बड़ा दुख है और इससे सनातन धर्मियों को गहरी पीड़ा पहुंची है। उन्होंने कहा कि हार-जीत का निर्णय समय करेगा और इस विषय पर अंतिम फैसला सनातन धर्म की जनता लेगी।

पत्नी की हत्या करने के बाद से फरार चल रहे तौकिर अंसारी ने की आत्महत्या

रांची : राजधानी रांची में एक दर्दनाक घटना ने सबको हिलाकर रख दिया है। डोरंडा थाना क्षेत्र के मनीटोली वारिस चौक के पास रहने वाले तौकिर अंसारी ने अपनी पत्नी तरन्नुम परवीन की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह घटना 24 जनवरी को दोपहर में हुई थी। हत्या के बाद तौकिर फरार हो गया था। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर लगातार तलाशी ले रही थी। लेकिन बीती देर रात तौकिर की बॉडी फंदे पर लटकी मिली। पुलिस के मुताबिक, तरन्नुम परवीन के भाई मो. मोजाहिद ने डोरंडा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 24 जनवरी को तौकिर की चाची ने फोन पर सूचना दी कि उनकी बहन की हत्या हो गई है। तौकिर ने तरन्नुम के सिर पर बंदूक से गोली मारी। मोजाहिद जब बहन के घर पहुंचे तो उनके भांजे अरहाम ने बताया कि पिता ने मां को गोली मारी और फिर उन्हें बिस्तर पर लिटाकर हाथ में बंदूक रख दी। शिकायत में कहा गया कि तौकिर अक्सर पत्नी को मारपीट और प्रताड़ित करता था। उसका निशा केरकेट्टा नाम की महिला से संबंध था, जिसका तरन्नुम विरोध करती थी। इसी वजह से तौकिर ने पत्नी को रास्ते से हटा दिया। प्राथमिकी में तौकिर और निशा के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। पुलिस छापेमारी कर रही थी, लेकिन आरोपी ने खुदकुशी कर ली।

युवक का शव बरामद

सिल्लीः तुलिन ओपी पुलिस ने बुधवार सुबह कोड़ाडीह से एक युवक का शव बरामद किया। शव की पहचान तुलिन अंचल के वार्ड पार्षद सह पूर्व प्रधान कीर्ति चाँद महतो के पुत्र मनोज महतो (36) के रूप में हुई। तुलिन ओपी प्रभारी सुमनाकर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पायेगा कि युवक की मौत कैसे हुई है। प्रभारी ने बताया शव के पास एक मोटर साइकिल पड़ा हुआ था। इसलिए इस घटना पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है। इधर क्षेत्र में लोगों के बीच दबे जुबान पर चर्चा है कि मृतक युवक अपराधिक प्रवृत्ति का था।

संसद का बजट सत्र आज से, दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी राष्ट्रपति

नई दिल्ली : संसद का बजट सत्र बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ शुरू होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को बजट पेश कर सकती हैं। वहीं, 29 जनवरी को संसद में इकोनॉमिक सर्वे पेश किए जाने की उम्मीद है।

इस महीने की शुरूआत में, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की सिफारिश पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने की मंजूरी दे दी है। सत्र 28 जनवरी 2026 को शुरू होगा और 2 अप्रैल 2026 तक चलेगा। पहला चरण 13 फरवरी 2026

को खत्म होगा और संसद 9 मार्च 2026 को फिर से शुरू होगी, जो सार्थक बहस और जन-केंद्रित शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस घोषणा से साल की सबसे जरूरी संसदीय घटनाओं में से एक का रास्ता साफ हो गया है, जिसके दौरान वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट पेश किए जाने की उम्मीद है।

रिजिजू के पोस्ट में सरकार की पारदर्शी और असरदार विधायी प्रक्रियाओं के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। दो-चरण वाला फॉर्मेट बजट और दूसरे जरूरी मामलों पर शुरूआती चर्चा की अनुमति देता है, जिसके बाद छुट्टी के दौरान स्थायी समितियों में विस्तृत जांच होती है, और फिर वित्तीय बिलों पर अंतिम चर्चा और उन्हें पास किया जाता है।

यह सत्र एक अहम समय पर हो रहा है क्योंकि सरकार आर्थिक विकास, वित्तीय मजबूती और इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों से निपटने पर ध्यान दे रही है। उम्मीद है कि सभी राजनीतिक पार्टियों के सांसद टैक्स, पब्लिक खर्च और पॉलिसी सुधारों पर गहन चर्चा करेंगे। पूरे सेशन में संसद की 30 बैठकें होंगी।

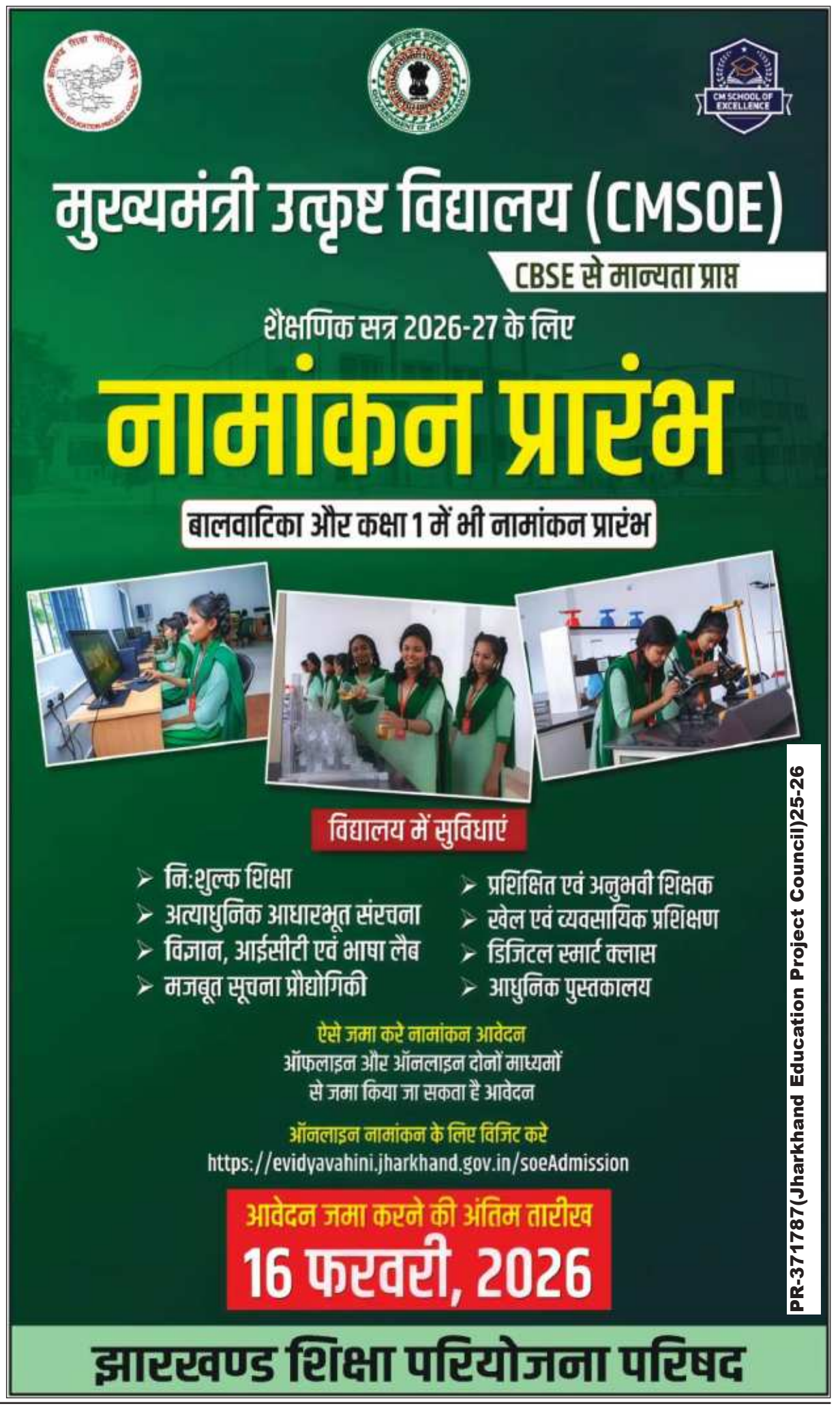

विदेश दौरे से लौटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

दावोस और लंदन की यात्रा को सीएम ने बताया झारखंड के लिए लाभदायक

संवाददाता

रांची: दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में भाग लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड लौटे। राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उनके साथ विधायक कल्पना सोरेन का ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक नृत्य और संगीत के साथ भव्य स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया, जिससे एयरपोर्ट परिसर उत्सव के रंग में नजर आया।

वैश्विक मंच पर झारखंड की प्रभावी उपस्थिति: मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अलग झारखंड राज्य के गठन के बाद यह पहला अवसर है, जब राज्य की बात किसी वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से रखी गई। उन्होंने बताया कि दावोस में आयोजित सम्मेलन के दौरान झारखंड के जल, जंगल और जमीन की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए राज्य की आर्थिक, औद्योगिक और व्यापारिक संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया गया।

शिक्षा और युवाओं के भविष्य पर फोकस: मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह यात्रा केवल निवेश आकर्षित करने तक सीमित नहीं थी। इसका उद्देश्य झारखंड की आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य तैयार करना भी था। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों पर व्यापक चर्चा हुई। साथ ही खेल के क्षेत्र में प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

निवेश के लिए सकारात्मक माहौल बनाने की पहल: उन्होंने कहा कि झारखंड में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने पर जोर दिया गया। दावोस सम्मेलन के दौरान विभिन्न औद्योगिक और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से सार्थक संवाद हुआ, जिसका लाभ आने वाले समय में राज्य को मिलेगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बताया कि इस दौरे का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और विरासत को वैश्विक पहचान दिलाना भी था। इस दिशा में राज्य को सफलता मिली है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर झारखंड की विशिष्ट पहचान उभरी है।

दौरे में शामिल रहा उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल: उल्लेखनीय है कि इस विदेश दौरे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन के साथ मुख्य सचिव अविनाश कुमार, उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा झारखंड फेडरेशन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि भी शामिल थे। यह प्रतिनिधिमंडल 17 जनवरी को झारखंड से दावोस के लिए रवाना हुआ था।

यूजीसी कानून के विरोध में रांची में छात्रों का प्रदर्शन, केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी

संवाददाता

रांची: केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा संसद में पारित यूजीसी कानून के विरोध में छात्रों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को रांची स्थित डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन कर अपना आक्रोश जताया।

विश्वविद्यालय परिसर में नारेबाजी और विरोध: प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्रों ने यूजीसी कानून की प्रति जलाकर विरोध दर्ज कराया, जिससे परिसर में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही।

कानून को समानता के सिद्धांत के खिलाफ बताया: प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना था कि यह कानून शिक्षा व्यवस्था में समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका आरोप था कि इससे समाज में भेदभाव बढ़ेगा और स्कूल व कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के बीच असमानता पैदा होगी।

सामान्य वर्ग के छात्रों का भविष्य प्रभावित होने का आरोप: छात्रों ने कहा कि पहले से ही आरक्षण व्यवस्था के कारण सामान्य वर्ग के छात्र प्रभावित हैं और इस नए कानून के लागू होने से उनकी समस्याएं और बढ़ जाएंगी। उनका मानना है कि अच्छे अंक लाने के बावजूद सामान्य वर्ग के मेधावी छात्रों को अवसर नहीं मिल पाते।

छात्रों ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने हिंदुत्व और एकता के नाम पर वोट मांगे थे, लेकिन ऐसे कानून समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को कमजोर करेंगे। उनका कहना था कि इससे शैक्षणिक संस्थानों में टकराव की स्थिति बन सकती है।

प्रदर्शनकारियों की मांग और चेतावनी: प्रदर्शन में शामिल प्रेम कुमार, विष्णु कुमार राम, अक्षय कुमार पांडेय, राहुल कुमार सहित अन्य छात्रों ने केंद्र सरकार से यूजीसी कानून को वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

77वें गणतंत्र दिवस पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

मुरहू: प्रखण्ड परिसर में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भव्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रंजीत कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में तैयार की गई, जिसमें देशभक्ति और सामाजिक जागरूकता की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मुरहू, लक्ष्मी नारायण स्कूल, उत्क्रमित विद्यालय दुदरी, आंगनबाड़ी केन्द्र मुरहू तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुरहू के प्रतिभागियों द्वारा देशभक्ति एवं सामाजिक विषयों पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। स्कूली बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केन्द्र मुरहू की ओर से बाल विवाह की रोकथाम एवं उससे होने वाले सामाजिक व स्वास्थ्यगत दुष्प्रभावों को नाटक के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुरहू की टीम द्वारा बाल विवाह के बाद जन्म लेने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों तथा गर्भवती महिलाओं के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार की आवश्यकता पर आधारित जागरूकता नाटक प्रस्तुत किया गया। इस दौरान अंचलाधिकारी शंकर विद्यार्थी द्वारा झारखण्ड आंदोलनकारी के रूप में मस्कलन मुंडू एवं प्रितिवंती मानकी को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में प्रखण्ड प्रमुख एलिस आद्या एवं उप-प्रमुख अरुण कुमार साबू ने उपस्थित लोगों को भारतीय संविधान की शपथ दिलाई। प्रखण्ड प्रमुख द्वारा जनसमूह को संबोधित करते हुए संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में मुरहू पंचायत की मुखिया सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधियों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की गई, जिसमें

प्रथम पुरस्कार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मुरहू, द्वितीय पुरस्कार लक्ष्मी नारायण स्कूल तथा तृतीय पुरस्कार उत्क्रमित विद्यालय दुदरी को प्रदान किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया। इस अवसर पर प्रखण्ड के सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में पूरे प्रखण्ड सहित देशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

सेल रांची की सभी इकाईयों ने मिलकर मनाया गणतंत्र दिवस

संवाददाता

रांची: सेल रांची की सभी इकाईयों ने मिलकर गणतंत्र दिवस धूम धाम से मनाया। इस्पात भवन परिसर में प्रातः 9 बजे श्री रामकृष्ण, कार्यपालक निदेशक (सेल सुरक्षा) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान हुआ एवं परेड का निरीक्षण किया गया। मंच पर श्री रामकृष्ण के साथ एसके. वर्मा, कार्यपालक निदेशक (सीईटी), दीपक जैन, कार्यपालक निदेशक(डिजिटल) एवं संजय धर, कार्यपालक निदेशक (एचआर.) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शबनम शादाब, महाप्रबंधक (एमटीआई.) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं तथा संविधान के महत्व, सेल की उपलब्धियों और राष्ट्र निर्माण में संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। बड़ी संख्या में कर्मचारी, परिवारजन एवं अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। एसके. वर्मा द्वारा सीईटी कार्यालय की छत पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

संजय धर द्वारा एमटीआई. में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गयो कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक्सीलेंस अवार्ड दिए गए। कर्मचारियों के बच्चों को भी उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त सेल के अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ (सेवा) कार्यालय, रांची में प्रातः 10 बजे डीबीएस. मुंडा, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्य अतिथि के रूप में झंडा फहराए। कार्यक्रम में जे. एन. हेम्ब्रोम (अध्यक्ष), प्रभात कुमार होरो (लायजन अधिकारी) तथा जय प्रकाश कुमार (महासचिव, कर्मचारी महासंघ,केंद्रीय) सहित सेवा के सदस्य, मेकॉन, रेलवे, एयरपोर्ट अथॉरिटी तथा एचईसी. के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ग्राम थान पूजा का आयोजन

मुरी: सिल्ली पिस्का में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम थान पूजा का आयोजन किया गया। आदिवासी परम्परा के अनुसार पूजा अर्चना के बाद पांच बकरा और एक सुअर की बलि दी गयी। ग्राम थान में मुख्य भूमिका निभाने वाले समाज सेवी रामाकांत मांझी ,पहन दुर्गा चरण मांझी, डोमन मांझी, जनार्दन, शालिग्राम ,उमेश, अरविंद, महेश व अन्य मौजूद थे।

झामुमो नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा ने किया झंडोत्तोलन,10 मेट्रो रेज संवाददाता

झुमरी तिलैया: 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा नगर समिति झुमरी तिलैया द्वारा नगर कार्यालय, रांची- पटना रोड विवाह भवन के समक्ष भव्य रूप से झंडोत्तोलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा के नेतृत्व में पूरे सम्मान, शान और गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। झंडोत्तोलन स्वयं नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा द्वारा किया गया, जिसके बाद राष्ट्रगान से पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा ने उपस्थित कार्यकताओं व आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी 77वां गणतंत्र दिवस गर्व और सम्मान के साथ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस भारत को कभी ह्वसोने की चिड़ियाह्व कहा जाता था, आज कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और स्वार्थी तत्वों के कारण देश गरीबी और भुखमरी जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह ईमानदारी, एकता और समर्पण के साथ देश को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाए।

हाइटेंशन मैदान में आयोजित पारंपरिक टुसू मेला में उमड़ी भीड़

सिल्ली: रांची के लोवाडीह स्थित हाइटेंशन मैदान में रविवार को आयोजित पारंपरिक टुसू मेले में सांस्कृतिक एकता और टुसू के प्रति लोगों की आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला मेले में अपार जन सैलाब के बीच झारखंड के आदिवासी मूलवासी की इस जीवंत सांस्कृतिक विरासत का भाव झलक दिखाने को मिला । इस वर्ष मेले में झारखंडी नृत्य संगीत के अलावे 125 फीट ऊंची चुड़ैल आकर्षण का केंद्र रही। तमाम लोग टुसू के लोकगीतों एवं सामूहिक नृत्य के माध्यम से झारखंड के सांस्कृतिक विरासत का दर्शन करते देखें गए। पारंपरिक गीतों ढोल मांदर की थाप और आकर्षक चुड़ैल की झांकियां ने आगंतुकों का मन मोह लिया।

मेले में सभी टुसू दल को पुरस्कृत किया गया। इस मेले में उपस्थित तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा ने अपने संबोधन में कहा कि यह मेला झारखंड की लोक परंपरा की

जीवंत पहचान है साथ ही साथ उन्होंने गुड़ पीठा और खापरा पीठा का भी गुणगान किया एवं मेला कमेटी के लोगों से अनुरोध किया कि अगली बार इसका स्टॉल लगाया जाए। मेले में स्थानीय विधायक राजेश कच्छप भी उपस्थित थे उन्होंने अपने संबोधन में कहा झारखंड की सांस्कृतिक विरासत किसी पहचान की मोहताज नहीं है बस इसे सहेज कर आगे ले जाना होगा जिससे वैश्विक पटल पर हमारी पहचान बन सके उन्होंने मेला कमेटी को भी बहुत-बहुत धन्यवाद दिया.

मेला में मुख्य रूप से तमाड़ विधायक विकास सिंह मुंडा, स्थानीय खिजरी विधायक राजेश कच्छप, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, डॉ राजाराम महतो, रणधीर चौधरी, देवेंद्र नाथ महतो, धीरज महतो, महीराम महतो, प्रोफेसर वृंदावन महतो व अन्य ने शिरकत की। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, संरक्षक शत्रुघ्न महतो, हरिदयाल महतो, पीतांबर महतो, डॉक्टर प्रवीर सिंह मुंडा, डॉक्टर परमानंद सिंह मुंडा, सुरेंद्र महतो, क्षेत्र मोहन सिंह मुंडा, मधुसूदन सिंह मुंडा, हलदर महतो, अधिवक्ता विजय कुमार, सत्यनारायण महतो के साथ मेला समिति के अध्यक्ष- डॉ राजकुमार महतो, उपाध्यक्ष- अशोक कुमार महतो एवं राजेश्वर प्रसाद, सचिव-डॉ हेमंत कुमार, कोषाध्यक्ष- सूरजकांत महतो, सदस्य- विनय कुमार, परमानंद महतो, मुकेश महतो, सुरेंद्र महतो, देव कुमार आदि लोगों का विशेष योगदान रहा।

मेले के अध्यक्ष डॉ राजकुमार महतो ने मेला कमेटी के साथ-साथ जितने भी लोगों का योगदान इस मेले में रहा है सभी का विशेष रूप से धन्यवाद किया एवं मेले में दूर दराज से आए सभी टुसू दल को धन्यवाद दिया।

सादगी, संघर्ष और सामाजिक न्याय के अमर नायक थे जननायक कर्पूरी ठाकुर : जानकी यादव

बरकट्ठा: विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड इचाक के पेथियाबागी स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर राष्ट्रीय नाई महासभा (प्रखंड कमेटी इचाक) के तत्वावधान में भारत रत्न, पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जयंती भव्य एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग आयोग (झारखंड) सह पूर्व विधायक बरकट्ठा जानकी प्रसाद यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। समारोह की शुरूआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। उपस्थित जनसमूह ने जननायक अमर रहें के नारों के साथ वातावरण को भावनात्मक बना दिया।

अपने संबोधन में जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर सादगी, ईमानदारी और सामाजिक न्याय के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने सत्ता को कभी वैभव का माध्यम नहीं बनाया, बल्कि पिछड़े, अति-पिछड़े और वंचित समाज के उत्थान का सशक्त हथियार बनाया। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिलना केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के आंदोलन की ऐतिहासिक जीत है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, समानता और संगठन के रास्ते पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय नाई महासभा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। सभी ने जननायक के विचारों को जन- जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

नगर निकाय चुनाव को लेकर चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से होगा मतदान

संवाददाता

रांची: नगर निकाय चुनाव को लेकर इस बार चुनाव आयोग ने एक बड़ा फैसला लिया है। कई वर्षों बाद चुनाव में पुरानी व्यवस्था की वापसी की जा रही है। इस बार मतदान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से नहीं, बल्कि बैलेट पेपर के जरिए कराया जाएगा। इस बदलाव से न सिर्फ मतदान प्रक्रिया बदलेगी, बल्कि चुनाव परिणाम आने में भी ज्यादा समय लगेगा।

नतीजों के लिए करना पड़ सकता है करीब 72 घंटे तक इंतजार

ईवीएम से होने वाले चुनावों में जहां मतगणना कुछ ही घंटों में पूरी हो जाती थी, वहीं बैलेट पेपर से मतदान होने के कारण इस बार नतीजों के लिए करीब 72 घंटे तक इंतजार करना पड़ सकता है। इससे उम्मीदवारों और समर्थकों की बेचैनी भी बढ़ना तय है। इससे पहले वर्ष 2008 में नगर निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराए गए थे। उस समय मतगणना पूरी होने में लगभग तीन दिन का समय लगा था।

2008 के बाद ईवीएम से हुए थे चुनाव

वर्ष 2008 के बाद चुनाव प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने के लिए नगर निकाय चुनावों में ईवीएम को शामिल किया गया था। इसके बाद हुए दो चुनाव ईवीएम से कराए गए, जिससे मतदान और मतगणना दोनों ही तेजी से पूरी हुई। लेकिन इस बार चुनाव आयोग ने करीब 18 साल पुरानी बैलेट पेपर प्रणाली को दोबारा लागू करने का फैसला किया है।

एक बॉक्स में दो बैलेट पेपर

बैलेट पेपर प्रणाली के तहत मतदाताओं को इस बार एक ही बैलेट बॉक्स में दो अलग-अलग बैलेट पेपर डालने होंगे। एक बैलेट पेपर महापौर पद के लिए होगा, जबकि दूसरा वार्ड सदस्य के चुनाव के लिए। ऐसे में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को अधिक सतर्क रहना होगा।

प्रशासन और उम्मीदवारों की बढ़ेगी चिंता

चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर प्रशासनिक चुनौतियां बढ़ेंगी। वहीं, परिणाम आने में देरी के कारण उम्मीदवारों की धड़कनें भी तेज बनी रहेंगी। कुल मिलाकर, इस बार नगर निकाय चुनाव न सिर्फ मतदान का, बल्कि धैर्य और इंतजार का भी इम्तिहान साबित होगा।

महापौर 25 लाख... खर्च सीमा

संवाददाता

रांची: राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनावी खर्च की सीमा भी निर्धारित कर दी है। 2011 की जनगणना के अनुसार जिन नगर निगम क्षेत्रों की आबादी 10 लाख या उससे अधिक है, वहां महापौर या अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अधिकतम 25 लाख रुपए तक खर्च कर सकेंगे, जबकि वार्ड पार्षद के लिए खर्च की सीमा 5 लाख रुपए तय की गई है। 10 लाख से कम आबादी वाले नगर निगमों में यह सीमा क्रमशः 15 लाख रुपए और 3 लाख रुपए निर्धारित की गई है। नगर परिषद और नगर पंचायतों में भी आबादी के अनुसार खर्च सीमा तय की गई है।

43 लाख से ज्यादा मतदाता करेंगे फैसला

चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। राज्यभर में कुल 4304 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जो 2129 भवनों में स्थित होंगे। इन केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस बार नगर निकाय चुनाव में नोटा का विकल्प उपलब्ध नहीं रहेगा। राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 43 लाख 33 हजार 574 है। इनमें 22 लाख 7 हजार 203 पुरुष, 21 लाख 26 हजार 227 महिला और 144 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

छह साल बाद भी आदेश का पालन नहीं खुले नाले क्यों नहीं ढंके गये : हाईकोर्ट

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने कांटाटोली के पास खुले नाले में डूबने से दो वर्षीय मासूम की मौत के मामले को गंभीरता से लिया है। चीफ जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने अखबार में प्रकाशित खबर कांटाटोली : खुले नाले में डूब गया दो वर्ष का मासूम। पर स्वतः संज्ञान लेते हुए उसे पीआइएल में तब्दील कर दिया। इस मामले में खंडपीठ ने मंगलवार को सुनवाई की। मौके पर खंडपीठ ने रांची नगर निगम से पूछा कि जब चार दिसंबर 2020 को हाइकोर्ट ने रांची शहर के सभी खुले नालों को छह माह में ढंकने का आदेश दिया था, तो उस आदेश का अब तक अनुपालन क्यों नहीं किया गया है। खुले नाले क्यों नहीं ढंके गये?

शपथ पत्र दायर कर जवाब दायर करने का निर्देश: खंडपीठ ने नगर निगम को शपथ पत्र दायर कर जवाब दायर करने का निर्देश दिया। वहीं राज्य सरकार से पूछा कि नाले में डूबने से हुई मौत के मामले में मासूम के परिजन को मुआवजा दिया गया है या नहीं अथवा सरकार ने मुआवजा देने पर क्या कार्रवाई की है। खंडपीठ ने मामले में राज्य सरकार और रांची नगर निगम को नोटिस जारी किया। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश तथा रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता एलसीएन शाहदेव ने नोटिस प्राप्त किया। अधिवक्ता कुमार वैभव को खंडपीठ ने मामले में एमिकस क्यूरी बनाया है।

नगर निकाय चुनाव की तिथि को लेकर चुनाव आयोग के फैसले पर अंजुमन इस्लामिया का एतराज

गुलाम शाहिद

रांची: चुनाव आयोग द्वारा नगर निकाय चुनाव की तिथि 23 फरवरी घोषित किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, असंवेदनशील और एकतरफा निर्णय है। इस घोषणा से मुस्लिम समाज में भारी रोष और गहरी निराशा व्याप्त है।

यह सर्वविदित है कि 17 फरवरी से इस्लाम धर्म का पवित्र महीना रमजान आरंभ हो रहा है। रमजान के दौरान मुसलमान रोजा रखते हैं, इबादतों में व्यस्त रहते हैं और दिनचर्या पूरी तरह धार्मिक अनुशासन के अनुसार होती है। ऐसी स्थिति में चुनाव की तिथि निर्धारित करना मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं की खुली अवहेलना है।अंजुमन इस्लामिया के महासचिव डॉ तारिक हुसैन का

स्पष्ट मानना है कि इस फैसले से मुस्लिम मतदाताओं की लोकतांत्रिक भागीदारी गंभीर रूप से प्रभावित होगी और मतदान प्रतिशत में निश्चित रूप से गिरावट आएगी। यह स्थिति निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है।

चुनाव आयोग से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों और समुदायों की आस्था, परंपरा और संवेदनशीलताओं का सम्मान करे। किंतु इस निर्णय से यह प्रतीत होता है कि मुस्लिम समाज की भावनाओं और अधिकारों को नजरअंदाज किया गया है। अंजुमन इस्लामिया के महासचिव डॉ तारिक हुसैन ने चुनाव आयोग से सख़्त शब्दों में मांग करती है कि नगर निकाय चुनाव की तिथि पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए, ताकि सभी वर्ग बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो मुस्लिम समाज इसे अपने संवैधानिक अधिकारों का हनन मानेगा। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब हर नागरिक को समान सम्मान और समान अवसर मिले।

रिम्स में नर्स के साथ मारपीट के बाद स्वास्थ्य सेवाएं ठप्प, आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में नर्स के साथ हुई मारपीट की घटना के बाद पूरे अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया है। घटना से आक्रोशित नर्सों ने रिम्स में प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जिसके चलते अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। नर्सों ने ट्रामा सेंटर के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए कामकाज से दूरी बना ली।

क्या है पूरा मामला: मिली जानकारी के अनुसार, रिम्स में कार्यरत नर्स अनुपम कुमारी तिर्की के साथ बीती रात मरीज हसिब अंसारी के अटेंडेंट द्वारा मारपीट की गई। पीड़ित नर्स का आरोप है कि आरोपी ने पहले दुर्व्यवहार किया और बाद में शारीरिक हमला भी किया। घटना के बाद नर्सिंग स्टाफ में भारी आक्रोश फैल गया।

नर्सों का विरोध प्रदर्शन: घटना के विरोध में बड़ी संख्या में नर्सें ट्रामा सेंटर के बाहर एकत्रित हुईं और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। नर्सों का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर उनकी सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह विफल रहा है। नर्सिंग स्टाफ ने स्पष्ट किया है कि जब तक सुरक्षा को लेकर ठोस और लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित: रिम्स नर्स प्रदर्शन के कारण अस्पताल की सामान्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं। कई विभागों में इलाज की प्रक्रिया धीमी पड़ गई है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि आपातकालीन सेवाओं को न्यूनतम स्तर पर चालू रखने की कोशिश की जा रही है।

प्रशासन से क्या है मांग: प्रदर्शन कर रही नर्सों ने रिम्स के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट और डायरेक्टर से अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। नर्सों का कहना है कि अस्पताल में पर्याप्त सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी कैमरे और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

प्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजार : फिलहाल अस्पताल प्रशासन की ओर से आधिकारिक बयान का इंतजार किया जा रहा है। वहीं, नर्सों ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

अजीत पवार के निधन पर भाजपा के प्रदीप वर्मा ने किया शोक व्यक्त

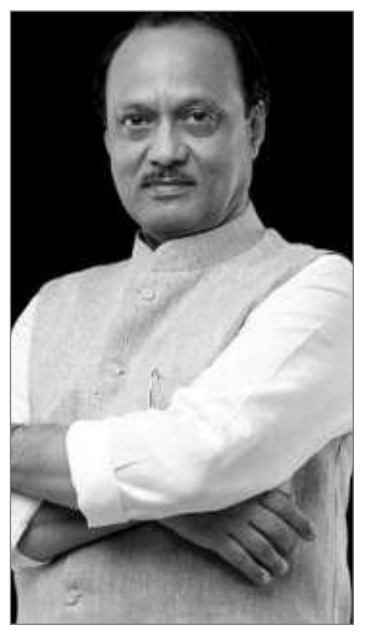

रांची: एनसीपी के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में निधन की खबर से भारतीय जनता पार्टी, झारखंड के महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

डॉ. वर्मा ने कहा कि अजित पवार का असामयिक निधन भारतीय राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका सार्वजनिक जीवन, प्रशासनिक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। इस दुखद और दर्दनाक हादसे में अन्य लोगों की भी जान चली गई, जो अत्यंत पीड़ादायक है।

डॉ. वर्मा ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोगों की आत्मा को शांति प्रदान करें। साथ ही उन्होंने शोकाकुल परिजनों, सहयोगियों एवं समर्थकों को इस कठिन घड़ी में सहनशक्ति और संबल प्रदान करने की कामना की।

उन्होंने कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरा देश शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ा है।

जयंती पर लाला राजपत राय को दी गयी श्रद्धांजलि

रांचीः पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की 161वीं जयंती पर आज पहली बार पंजाबी- हिंदू बिरादरी,सिख समाज एवं अन्य वर्ग के लोगों द्वारा भी देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने सहित उनके अन्य तमाम अविस्मरणीय कार्यों के लिए उन्हें हृदय से नमन कर एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

महात्मा गांधी मार्ग पर स्थित लाला चौक पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर भारत माता की जय,वंदे मातरम एवं लाला लाजपत राय अमर रहें के गगनभेदी गुंजायमान नारे लगाए गए।

इस अवसर पर पंजाबी- हिंदू बिरादरी के महासचिव राजेश मेहरा,राजेश खन्ना,रणदीप आनंद,अरुण चावला,रवि पराशर,कुणाल अजमानी,देवेश अजमानी,मदन सेन कुजारा,आशीष भाटिया,अजय सखूजा,अशोक माकन,दीपक खोसला,राकेश जग्गी,पृथ्वीराज भाटिया,हरजीत जग्गी,प्रवीण जग्गी,विजय खन्ना,प्रवीण आनंद,सूरज छाबड़ा,अश्विनी मोहन,वीरेंद्र कैंथ,प्रोफेसर हरविंदर वीर सिंह,अजीत सिंह जग्गी,विनोद सलूजा,वेद प्रकाश बुद्धिराजा,प्रशांत गौरव,दीपेश पाठक,विकास सिंह,बिरसा तिर्की सहित बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम में शरीक होकर अपनी सहभागिता दी।

कार्यालय, जिला बाल संरक्षण इकाई, सिमडेगा।

(धारा 106, सहपठित नियम 85, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के अन्तर्गत संचालित

जिला बाल संरक्षण कार्यालय,

पता सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय सिमडेगा Email/dcpssimdega@gmail.com

पत्रांक-DCPU/SDG/ ..../................/दिनांक..................

आवश्यक सूचना

बाल कल्याण समिति, सिमडेगा का पत्रांक–30/cwc/sdg/2025-26 दिनांक 22.01.2026 के द्वारा बालिका मीना कुमारी, उम्र 13 वर्ष (लगभग) पिता–अज्ञात, माता–अज्ञात के बारे में जानकारी दी गई है। इस बालिका को दिनांक 30.10.2025 को सहायक आरक्षी निरीक्षक सुदर्शन पिंग (रेलवे पुलिस) थाना एवं महिला कॉस्टेबल पूजा कुमारी के द्वारा बाल कल्याण समिति, सिमडेगा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जिसका मामला संख्या–325/2025 दर्ज है। बाल कल्याण समिति, सिमडेगा के आदेशानुसार बालिका वर्तमान में सहयोग विलेज, बालिका गृह सामटोली, सिमडेगा में आवासित है।

बालिका के सगे संबंधियों की जानकारी हेतु अखबार में प्रकाशित किया जा रहा है।

नाम:–मीना कुमारी
पिता–अज्ञात
माता–अज्ञात
वजन–37 किलोग्राम,
लिंग–महिला,
ऊँचाई–145cm,
रंग–सांवली,
शारीरिक संरचना–दुबली–पतली, लम्बी,
आँख का रंग–काला,
बाल का रंग–काला,
भाशा ज्ञान– हिन्दी, नागपुरी,
कपड़ा–नारंगी फ्रॉक, झोला पकड़ी हुई।

उक्त बालिका के संबंध में किसी को जानकारी हो तो जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, सिमडेगा के सम्पर्क नं0–8969602518, बाल कल्याण समिति सिमडेगा के सम्पर्क नं0–7004171753, 8709869285, 7321043179, 9835167403 एवं चाईल्ड हेल्प लाईन सिमडेगा के मोबाईल नं0–8825287847 पर सम्पर्क कर सकते है।

चाईल्ड हेल्प लाईन (टॉल फ्री नं0 1098)

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा।

PR 371748 Simdega (25-26)D

एचएम पब्लिक स्कूल में दसवीं के छात्रों को दी गयी विदाई

मेट्रो रेज

रांची: आज आपलोग अपनी जिंदगी के पहले स्टेप की परीक्षा देने जा रहे हैं जो आपका भविष्य बनाएगी। इसकी शुभकामना और बधाई । आपका जीवन उज्ज्वल हो। उक्त बातें आज एचएम पब्लिक स्कूल चुटिया के प्राचार्य अरविंद कुमार ने वर्ग दशम के छात्रों के विदाई समारोह में कही। इस अवसर पर कक्षा नवमी के छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का संचालन कृतिका, श्वेता, शुभम द्वारा किया गया। स्वागत गान जिंदगी एक सफर बोल पर आधारित था। आठवीं और नवमी के छात्रों द्वारा गीत व सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद दसवीं के छात्रों ने अपने बीते जीवन व स्कूल की शिक्षकों की यादगार पलों को सबके बीच बताया। उसके बाद सभी शिक्षक रंजीत कुमार, अंजली सेन, अनामिका सिंह, सरिता एक्का, मोहन प्रकाश, पुनीत टोप्पो, नीलम डाहंगा, सुप्रभा टोप्पो, सुजाता देवी, छात्रों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सबको आशीर्वाद दिया और परीक्षा में आने वाले सवालों का टिप भी दिया। उन्हें विद्यालय परिवार को याद रखने और जब भी जरूरत हो स्कूल का दरवाजा हर समय खुला रहेगा जैसी बातें कही। अंतिम में एक विदाई गीत ने करुणा दायक माहौल बना दिए। स्कूल परिवार की ओर से सभी छात्रों यादगार प्रतीक चिन्ह दिया गया। उसी तरह वर्ग दसवीं के छात्रों द्वारा भी विद्यालय परिवार को प्रतीक चिन्ह दिया गया। अंतिम में सभी एक साथ दोपहर का भोज किया गया।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अपने ही बोझ से ढहता ईरान का 'मुल्ला तंत्र'

ईरान में 22 वर्षीय कुर्द युवती महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में क्रूर पिटाई से हुई मौत ने साल 2022 में ऐसी आग लगाई जो आज भी सुलग रही है। हिजाब न पहनने के आरोप में तेहरान में गिरफ्तार हुई महसा कभी घर नहीं लौटीं। पुलिस ने दिल का दौरा बताकर उसकी मौत छिपाने की कोशिश की लेकिन परिवार और दुनिया ने इसे राज्य-प्रायोजित हत्या माना। उससे भी बढ़कर ईरान के लोगों ने इसे नृशंस हत्या माना, जो इस पूरी पटकथा का मूल पहलू है। यूएन फैक्ट फाइंडिंग मिशन ने साल 2024 में कहा कि महसा की मौत राज्य की शारीरिक हिंसा से हुई। इसके बाद 19 मई 2023 की सुबह ईरान के शासन ने माजिद काजेमी (30 वर्ष), सालेह मीरहाशेमी (36 वर्ष) और सईद याघौबी (37 वर्ष) को फांसी पर लटका दिया। ये तीनों महसा अमीनी की मौत के बाद साल 2022 में पूरे ईरान में फैले विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। खासकर मध्य ईरान के इस्फहान शहर में। ईरानी न्यायपालिका ने इन पर मोहारेबेह (अल्लाह के खिलाफ युद्ध छेड़ना) का आरोप लगाया, जो मौत की सजा वाला अपराध है। आरोप था कि नवंबर 2022 में इस्फहान के विरोध प्रदर्शनों के दौरान इन तीनों ने कथित तौर पर बंदूक चलाई, जिसके परिणामस्वरूप एक पुलिस अधिकारी और दो बसिज मारे गए। इनकी गिरफ्तारी नवंबर 2022 में हुई और केवल दो महीने के भीतर जनवरी 2023 में मौत की सजा सुनाई गई। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने इस ट्रायल को पूरी तरह फर्जी और अन्यायपूर्ण करार दिया। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इसे टॉर्चर-आधारित बताया, जहां इन तीनों को गिरफ्तारी के बाद यातना दी गई ताकि जबरन कबूलनामा लिया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने भी 19 मई 2023 को इन फांसियों पर गहरा दुख जताया और कहा कि ईरान में विरोध प्रदर्शनों से जुड़े लोगों को दबाने के लिए मौत की सजा का इस्तेमाल बढ़ रहा है। महसा अब सिर्फ एक आम महिला नहीं, बल्कि ईरानी महिलाओं की आजादी की प्रतीक बन चुकी हैं। उनके नाम पर महिला, जीवन, स्वतंत्रता का नारा गूंज रहा है। पूरे ईरान में महिलाएं (और पुरुष भी) सड़कों पर उतर आई हैं, हिजाब फेंक रही हैं, अपने लंबे बाल काट रही हैं और दमन के बावजूद न्याय की मांग कर रही हैं। यह विरोध अब तक नए रूप में फैल चुका है। जिसमें दिसंबर 2025 से तेहरान के ग्रैंड बाजार में व्यापारियों की हड़ताल और कई शहरों में फैले प्रदर्शन शामिल हैं। जहां आर्थिक तबाही (रियाल अब खुले बाजार में लगभग 14 लाख से 15 लाख प्रति डॉलर के आसपास पहुंच चुका है) और पुराने दमन ने 'मुल्ला तंत्र' को गहरे संकट में डाल दिया है। शासन कठोर नियंत्रण और फांसी जैसे दमन से अपनी इस्लामी क्रांति की विरासत बचाने की कोशिश में जुटा है लेकिन ये प्रयास हताशा और अस्थिरता से भरे दिखते हैं। सामाजिक असंतोष, आर्थिक बदहाली और इजरायल-अमेरिका जैसे टकराव ने इस तानाशाही को भीतर से खोखला कर दिया है।

अमेरिका और इजरायल के ईरान के प्रति आक्रामक रुख को समझने के लिए इतिहास में लौटना जरूरी है। यह दुश्मनी कोई अचानक नहीं बल्कि दशकों की जड़ों वाली है। ईरान और अमेरिका के रिश्तों में पहली बड़ी दरार 1979 की इस्लामी क्रांति से पहले ही पड़ चुकी थी, खासकर 1953 में। उस साल सीआईए और ब्रिटिश एमआई6 ने मिलकर ऑपरेशन अजाक्स (ऑपरेशन बूट) चलाया, जिसमें ईरान के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्देक को उखाड़ फेंका गया। मोसद्देक ने ब्रिटिश-नियंत्रित तेल कंपनी एंग्लो-ईरानियन ऑयल (अब बीपी) का राष्ट्रीयकरण किया था, जिससे पश्चिमी हितों को खतरा महसूस हुआ। इस तख्तापलट के बाद शाह मोहम्मद रजा पहलवी को फिर से सत्ता सौंपी गई, जो अमेरिका का भरोसेमंद सहयोगी बन गया। शाह ने पुलिस के जरिए कठोर दमन किया, पश्चिमी जीवनशैली को बढ़ावा दिया और इजरायल के साथ गुप्त संबंध बनाए रखे। लेकिन यह अमेरिकी समर्थन ईरानी जनता में गहरा असंतोष पैदा कर गया। 1953 का तख्तापलट आज भी ईरानी प्रचार में अमेरिकी साम्राज्यवाद का प्रतीक है। 1979 में अयातुल्ला रुहोल्ला खुमैनी ने जनआंदोलन के जरिए शाह को सत्ता से बेदखल किया और इस्लामी गणराज्य की स्थापना की। खुमैनी ने अमेरिका को महान शैतान और इजरायल को छोटा शैतान करार दिया। क्रांति के तुरंत बाद तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर 444 दिनों तक 52 अमेरिकी नागरिकों को बंधक बनाया गया, जिसने दुश्मनी को स्थायी बना दिया। खुमैनी ने ईरान को सिर्फ एक राष्ट्र नहीं, बल्कि पूरी इस्लामी दुनिया का क्रांतिकारी मार्गदर्शक घोषित किया। इस सोच के तहत फिलिस्तीन मुद्दे को केवल कूटनीतिक समर्थन तक सीमित नहीं रखा गया बल्कि इजरायल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष को राज्य नीति का हिस्सा बनाया गया। इजरायल के साथ ईरान का टकराव और इसराइल के अस्तित्व के प्रश्न से जुड़ा है। खुमैनी के नेतृत्व में ईरान ने खुद को न केवल एक देश की तरह बल्कि पूरी इस्लामी दुनिया के मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत करना शुरू किया। इसी सोच के तहत उसने फिलिस्तीन मुद्दे को केवल कूटनीतिक समर्थन तक सीमित नहीं रखा बल्कि इजरायल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दिया। लेबनान में हिज्बुल्ला जैसे संगठनों को संगठित करना, उन्हें धन और हथियार उपलब्ध कराना इसी रणनीति का हिस्सा रहा है। इसके साथ ही गाजा पट्टी में सक्रिय हमास को भी ईरान लंबे समय से आर्थिक और सैन्य सहायता देता रहा है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम इस टकराव को और खतरनाक बना देता है। इजरायल इसे अपने अस्तित्व पर सीधे खतरे के तौर पर देखता है। यही कारण है कि इजरायल के लिए ईरान का मजबूत होना ह्यकरो या मरोह्न जैसी स्थिति पैदा करता है इसके अलावा यमन, सीरिया और इराक में ईरान समर्थित सशस्त्र गुटों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि तेहरान 1979 की इस्लामी क्रांति के प्रभाव को पूरे अरब जगत में फैलाने की रणनीति पर काम कर रहा है। इसराइल के लिए यह जंग इसी समय जीतना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि ईरान परमाणु सम्पन्न हुआ या अगले मध्यावधि चुनाव में अमेरिकी संसद में ट्रम्प ने बहुमत खो दिया तो शायद इजरायल भविष्य में ईरानी आक्रमण में अपना अस्तित्व हमेशा के लिए खो दे।

पिछला सैन्य विकल्प क्यों टला ?

जब खुले बाजार में डॉलर के मुकाबले ईरानी रियाल ऐतिहासिक रूप से कमजोर हुआ तो इसका सीधा असर तेहरान के व्यापारिक वर्ग पर पड़ा। मुद्रा संकट के विरोध में शुरू हुए व्यापारियों के प्रदर्शन जल्द ही राजधानी से बाहर अन्य शहरों तक फैल गए। इसी अवसर की तलाश में बैठे ट्रम्प ने ईरान पर हमले का पूरी तरह मन बना लिया था। इसी बीच अचानक वैश्विक मीडिया विमर्श का केंद्र बदल गया और ईरान से जुड़ी खबरें पीछे चली गईं। हालांकि बाद में सामने आई रिपोर्टों से संकेत मिला कि यह बदलाव केवल सतही था। कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन के भीतर सैन्य कार्रवाई की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी थीं, इसके बावजूद निर्णायक कदम नहीं उठाया गया। इसकी एक अहम वजह इजरायल द्वारा अमेरिका को रोका जाना बताया गया। इजरायली खुफिया आकलनों के अनुसार, किसी भी अमेरिकी हमले की स्थिति में ईरान की ओर से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इजरायल के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता था।

कागजी सम्मान की चमक में खोता वास्तविक योगदान

यदि किसी व्यक्ति को अपने कार्य के लिए स्वयं आवेदन करना पड़े या किसी माध्यम से अपना नाम अनुशंसित करवाना पड़े तो ऐसे सम्मान की नैतिकता और प्रामाणिकता पर स्वाभाविक रूप से संदेह उत्पन्न होता है। विडंबना यह है कि जब किसी क्षेत्र में अनियमितता, भ्रष्टाचार या अव्यवस्था की खबरें समाचार पत्रों, टीवी चैनलों या सोशल मीडिया पर आती हैं तो प्रशासन तत्काल सक्रिय हो जाता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं हैं बल्कि ये राष्ट्र के आत्ममंथन के अवसर भी होते हैं। इन दिनों प्रशासन द्वारा दिए जाने वाले प्रशंसा पत्रों को समाज के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उद्देश्य यह होता है कि ऐसे लोगों को सामने लाया जाए जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र, समाज और व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। किंतु बीते कुछ वर्षों में इन प्रशंस पत्रों की प्रक्रिया और चयन पद्धति पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। सबसे बुनियादी सवाल यही है कि क्या किसी प्रशंसा पत्र के लिए आवेदन करना आवश्यक होना चाहिए? यदि हाँ, तो क्यों? सम्मान तो वह होता है जो स्वतः मिले, जिसे समाज और व्यवस्था स्वयं पहचानें। यदि किसी व्यक्ति को अपने कार्य के लिए स्वयं आवेदन करना पड़े या किसी माध्यम से अपना नाम अनुशंसित करवाना पड़े तो ऐसे सम्मान की नैतिकता और प्रामाणिकता पर स्वाभाविक रूप से संदेह उत्पन्न होता है।

विडंबना यह है कि जब किसी क्षेत्र में अनियमितता, भ्रष्टाचार या अव्यवस्था की खबरें समाचार पत्रों, टीवी चैनलों या सोशल मीडिया पर आती हैं तो प्रशासन तत्काल सक्रिय हो जाता है। जांच बिठा दी जाती है, नोटिस जारी होते हैं और कार्रवाई की घोषणाएँ की जाती हैं। यानी नकारात्मक घटनाओं पर प्रशासन की दृष्टि अत्यंत सजग और तीक्ष्ण है। फिर सकारात्मक, रचनात्मक और जनहितकारी कार्यों को पहचानने में वही प्रशासन इतना असहाय क्यों दिखाई देता है? क्या अच्छे कार्यों को देखने और समझने की प्रशासनिक दृष्टि अब केवल फाइलों और औपचारिक रिपोर्टों तक सीमित होकर रह गई है?

वास्तविकता यह है कि आज प्रशंसा पत्रों की व्यवस्था योग्यता की बजाय प्रक्रिया आधारित होती जा रही है। आवेदन, अनुशंसा, विभागीय चैनल और व्यक्तिगत संपर्क- ये सभी सम्मान प्राप्त करने के अनौपचारिक मानदंड बन चुके हैं। परिणामस्वरूप वही लोग बार-बार सम्मानित होते दिखाई देते हैं जो व्यवस्था के भीतर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना जानते हैं, न कि वे जिन्होंने वास्तव में समाज के लिए जमीन पर काम किया है। यह स्थिति सम्मान को प्रेरणा के साधन से अधिक एक औपचारिक रस्म में बदल देती है।

यह भी देखने में आता है कि कई बार प्रशंसा पत्र सरकारी कर्मचारियों को उनके नियमित दायित्वों के निर्वहन के लिए दे दिए जाते हैं, जबकि उनका कार्य मूलतः उनकी नौकरी का हिस्सा होता है। इसके विपरीत, अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यकार, कलाकार, शिक्षक और स्वतंत्र रूप से काम करने वाले लोग- जो बिना किसी पद या संसाधन के समाज में बदलाव लाने का प्रयास कर रहे होते हैं- प्रशासन की दृष्टि से बाहर ही रह जाते हैं। क्या यह सम्मान की सही कसौटी है?

प्रशंसा पत्रों के मूल्य पर भी विचार आवश्यक है। जिन व्यक्तियों को राज्यपाल, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर पत्र लिखे जाते हैं, वे केवल औपचारिक सम्मान नहीं होते। ऐसे पत्र व्यक्ति के कृतित्व के ऐतिहासिक दस्तावेज बन जाते हैं। वे शोध-ग्रंथों में उद्धृत होते हैं, सामाजिक स्मृति का हिस्सा बनते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होते हैं। इसके विपरीत, आवेदन-आधारित प्रशंसा पत्र अक्सर समारोह समाप्त होते ही अपनी प्रासंगिकता खो देते हैं।

सम्मान की सबसे बड़ी कसौटी प्रशासन नहीं बल्कि समाज होता है। पाठक, दर्शक, श्रोता और आम लोग तय करते हैं कि कौन उनके विश्वास पर खरा उतरा और कौन नहीं। साहित्य और कला के क्षेत्र में यह बात और भी स्पष्ट हो जाती है। किसी रचनाकार का मूल्यांकन उसके प्रमाण पत्रों से नहीं, बल्कि उसकी रचनाओं, विचारों और सामाजिक प्रभाव से होता है। यही कारण है कि कई बार बिना किसी औपचारिक सम्मान के भी कुछ लोग समाज में अमर हो जाते हैं, जबकि अनेक पदक और प्रमाण पत्र पाने वाले लोग समय के साथ भुला दिए जाते हैं।

यहाँ पद और प्रतिष्ठा के अंतर को समझना भी आवश्यक है। पद से मिलने वाला सम्मान अस्थायी होता है। जब तक व्यक्ति पद पर होता है, तब तक उसके चारों ओर अभिनंदन और औपचारिक सम्मान की भीड़ रहती है। जैसे ही पद समाप्त होता है या व्यक्ति सेवानिवृत्त होता है, वही भीड़ छँटने लगती है। इसके विपरीत, जो लोग अपने कार्य और कृतित्व के बल पर पहचान बनाते हैं, उनकी प्रतिष्ठा पद से परे होती है और समय के साथ और गहरी होती जाती है।दुर्भाग्य से कुछ अधिकारी पद के मद में यह भूल जाते हैं कि वे राष्ट्र और समाज से बड़े नहीं हैं। पद उन्हें अधिकार देता है, श्रेष्ठता नहीं। यदि किसी अधिकारी ने अपने सेवाकाल में राष्ट्र और समाज के लिए कुछ विशिष्ट नहीं किया, तो ऊँचे पद से सेवानिवृत्ति के बाद भी उसका जीवन सामान्य ही रह जाता है। इतिहास में अधिकारी नहीं बल्कि विचार, कृतियाँ और योगदान दर्ज होते हैं।

यह भी सच है कि साहित्य और कला की समझ न रखने वाले कुछ अधिकारी सम्मान की प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ऐसे में चयन का आधार गुणवत्ता नहीं बल्कि सुविधा और औपचारिकता बन जाता है। इससे न केवल वास्तविक योगदान करने वालों के साथ अन्याय होता है, बल्कि सम्मान की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है।

प्रश्न यह भी उठता है कि जब किसी व्यक्ति के कार्यों को मीडिया ने व्यापक रूप से कवर किया हो, समाज ने स्वीकार किया हो और उसका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता हो, तो फिर उसे प्रशासनिक प्रशंसा-पत्र के लिए आवेदन करने की आवश्यकता ही क्यों होनी चाहिए? क्या यह सम्मान की मूल भावना के विपरीत नहीं है?

वास्तव में, सम्मान माँगने की वस्तु नहीं है। वह समाज और व्यवस्था द्वारा स्वतः दिया गया प्रमाण होना चाहिए। यदि किसी को स्वयं आगे बढ़कर यह कहना पड़े कि उसने अच्छा काम किया है और इसलिए उसे सम्मानित किया जाए तो यह सम्मान की आत्मा को कमजोर करता है।

मदर ऑफ ऑल डील्स और भारत का उभरता वैश्विक आत्मविश्वास

सेवा क्षेत्र इस समझौते का एक और बड़ा लाभार्थी है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, अनुसंधान एवं विकास और स्टार्टअप इकोसिस्टम को यूरोप के बाजारों में नई संभावनाएं मिलेंगी। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय निवेश की योजना बना रहे मुख्य कार्याधिकारियों की नजर में भारत तेजी से ऊपर चढ़ा है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और यूरोपीय संघ के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति आज बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की सुदृढ़ होती भूमिका का स्पष्ट संकेत दे रही है। देखा जाए तो राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को हुआ यह समझौता उस भारत की तस्वीर पेश करता है, जिसे आज आप विश?व की उभरती हुई अर्थव्यवस्था से आगे वैश्विक आर्थिक विमर्श को दिशा देने वाली शक्ति के रूप में पहचानते हैं।

वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसे ऐतिहासिक बताया जाना और वैश्विक मंचों पर इसे ह्यमदर ऑफ ऑल डील्सह्न कहा जाना भारत की इसी बदली हुई हैसियत को रेखांकित करता है। यूरोपीय संघ के 27 देशों और भारत के बीच हुआ यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाओं को गहरे आर्थिक और रणनीतिक सूत्र में बांधता है। यह समझौता वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 25 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के करीब एक तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। दो अरब से अधिक की सम्मिलित जनसंख?या वाला यह बाजार आने वाले वर्षों में उत्पादन, निवेश और उपभोग का विशाल केंद्र बनने जा रहा है। यही कारण है कि इसे व्यापारिक करार नहीं, साझा समृद्धि का खाका तक कहा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गोवा में आयोजित ह्यइंडिया एनर्जी वीकह्न के उद्घाटन सत्र में इस समझौते की घोषणा करते हुए जिस आत्मविश्वास का परिचय दिया, वह भारत की आर्थिक स्थिरता और नीतिगत स्पष्टता का परिणाम है। उनके अनुसार समझौता भारत के 140 करोड़ नागरिकों और यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेगा। कहना होगा कि आज जब दुनिया संरक्षणवाद और व्यापार अवरोधों की ओर झुकती दिख रही है, तब भारत और यूरोपीय संघ का मुक्त व्यापार के पक्ष में खड़ा होना बहुपक्षवाद और नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था को मजबूती देता है।

आर्थिक आंकड़े इस समझौते की महत्ता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2024-25 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच 136 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार हुआ। भारत यूरोप से मशीनें, परिवहन उपकरण और रसायनों का आयात करता है, जबकि भारत से मशीनें, रसायन, लोहा, एल्यूमिनियम, तांबा, खनिज उत्पाद, कपड़ा और चमड़े के सामान का निर्यात होता है। एफटीए लागू होने के बाद शुल्क और गैर शुल्क बाधाओं में कमी आएगी, जिससे भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। इसका सीधा लाभ किसानों, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा श्रम प्रधान क्षेत्रों को मिलेगा।

सेवा क्षेत्र इस समझौते का एक और बड़ा लाभार्थी है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, अनुसंधान एवं विकास और स्टार्टअप इकोसिस्टम को यूरोप के बाजारों में नई संभावनाएं मिलेंगी। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय निवेश की योजना बना रहे मुख्य कार्याधिकारियों की नजर में भारत तेजी से ऊपर चढ़ा है। पीडब्ल्यूसी के 29वें ग्लोबल सीईओ सर्वे के अनुसार 13 प्रतिशत सीईओ भारत को निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य मानते हैं, जबकि पिछले वर्ष भारत इस सूची में पांचवें स्थान पर था। यह उछाल भारत की आर्थिक नीतियों और बाजार क्षमता पर बढ़ते वैश्विक भरोसे का प्रमाण है।

आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत बनी हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 2025 की 6.5 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। यह दर वैश्विक औसत से ऊंची है और प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से भी बेहतर है। भारतीय उद्योग जगत का विश्वास भी इसी दिशा में संकेत करता है। सर्वे के अनुसार 77 प्रतिशत भारतीय सीईओ देश की आर्थिक वृद्धि को लेकर आशावादी हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 55 प्रतिशत है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के आंकड़े भारत की इस मजबूती को और स्पष्ट करते हैं। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन की रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में भारत में एफडीआई में 73 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई और कुल 47 अरब डॉलर का निवेश आया। यह वृद्धि मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र में बड़े निवेशों से प्रेरित रही, हालांकि उत्पादन क्षेत्र में भी निवेश का प्रवाह बढ़ा है। साल 2014 से 2025 के बीच एफडीआई इक्विटी प्रवाह 7.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले दौर की तुलना में लगभग दोगुना है। यह आंकड़े बताते हैं कि भारत अब दीर्घकालिक निवेश के लिए एक भरोसेमंद गंतव्य बन चुका है।

कहना होगा कि सरकार की नीतिगत पहलों ने इस निवेश उछाल की नींव रखी है। ह्यमेक इन इंडियाह्न अभियान ने भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए। एफडीआई नियमों का सरलीकरण, रक्षा, रेलवे और बीमा जैसे क्षेत्रों में निवेश की सीमा बढ़ाना और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भारत की ओर आकर्षित किया। परिणामस्वरूप ऐपल, सैमसंग, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारत में अरबों डॉलर के निवेश की घोषणाएं की हैं। ये निवेश तकनीक, कौशल और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं।

वैश्विक परिदृश्य में भारत का प्रदर्शन इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि कई अन्य बड़े देशों में निवेश में गिरावट देखी गई है। चीन में लगातार तीसरे वर्ष एफडीआई में कमी आई है, जबकि भारत इस प्रवृत्ति का अपवाद बनकर उभरा है। सेमीकंडक्टर मिशन, चिप्स निर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां और नवीकरणीय ऊर्जा में 500 गीगावाट का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भारत को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार कर रहे हैं। इन पहलों ने यूरोप, जापान और अन्य देशों से निवेश आकर्षित किया है। भारत ने साल 2026 के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का लक्ष्य 100 अरब डॉलर तय किया है। साथ ही डिजिटल अर्थव्यवस्था से उम्मीद है कि वह आने वाले वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 20 प्रतिशत योगदान देगी।

आज भारत पारंपरिक विकास मॉडल से आगे बढ़कर नवाचार और तकनीक आधारित विकास की ओर अग्रसर है। ऐसे में यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत द्वारा यूरोप के साथ पहले किए गए अन्य व्यापारिक करारों को मजबूती देता है। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका और सशक्त होगी। वैसे भी महामारी और भू राजनीतिक तनावों के बाद दुनिया आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता तलाश रही है और भारत एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभर रहा है। ऐसे में यूरोपीय संघ के साथ एफटीए इस विश्वास को संस्थागत रूप देता है।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह एफटीए इसी व्यापक आर्थिक परिवर्तन को आज व?यापक स?तर पर दर्शा रहा है। यह समझौता भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, वैश्विक जिम्मेदारी और साझेदारी आधारित विकास मॉडल को भी दिखाता है। यदि वर्तमान गति और नीतिगत निरंतरता बनी रही, तो साल 2030 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य भारतवासियों के लिए कोई सपना नहीं रहेगा। निःस्संदेह यह समझौता भारत के वैश्विक आर्थिक उत्थान की यात्रा में मील का पत्थर है।

ये अचूक उपाय दूर करेगा हर संकट

जब भी आप जीवन में कोई भी नया काम शुरू करने जा रहे हो या रास्ते में बाधाएं नजर आने लगें, तो सबसे पहले विघ्नहर्ता भगवान गणेश का नाम लिया जाता है। हिंदू धर्म में बुधवार का दिन बुद्धि और विवेक के देवता श्री गणेश को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से गणेश चालीसा का पाठ करने से बंद किस्मत के ताले खुल जाते हैं और सफलता भी आपके कदम चूमने लगती हैं

बुधवार और गणेश जी का खास संबंध

ज्योतिष के अनुसार बुधवार का संबंध बुध ग्रह से होता है, जो बुद्धि, तर्क और वाणी का प्रतीक माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और विवेक का स्वामी माना गया है, इसलिए बुधवार के दिन उनकी आराधना का विशेष महत्व

होता है। इस दिन श्रद्धा से गणेश चालीसा का पाठ करने से मन को शांति मिलती है और सोचने-समझने व सही निर्णय लेने की शक्ति में वृद्धि होती है।

गणेश चालीसा का पाठ करने की सही विधि

चालीसा पाछ का पूरा लाभ उठाने के लिए सही समय और विधि का होना काफी जरुरी है। बुधवार की सुबह स्नान करने के बाद साफ पीले या लाल कपड़े पहनें। प्रथम पूज्य गणेश जी की प्रतिमा के सामने घी का दीपक जलाएं और उन्हें दूर्वा (घास) अर्पित करें। फिर आप एकाग्र मन से गणेश चालीसा का पाठ शुरू करें। शास्त्रों के मुताबिक, दुर्वा चढ़ाने से गणेश जी काफी प्रसन्न होते हैं क्योंकि यह शीतलता का प्रतीक है।

पाठ करने के चमत्कारिक लाभ

-बाधाओं का नाश- यदि आपका कोई काम लंबे समय से रुका हुआ है, तो चालीसा के पाठ से आने वाले अवरोध खत्म होते हैं।
-बुद्धि और ज्ञान का विकास- विद्यार्थियों के लिए बुधवार को गणेश चालीसा पढ़ने से एकाग्रता बढ़ाने वाला माना जाता है।
- घर में सुख-शांति- जिस घर में गणेश जी की स्तुति गूंजती है, वहां से नकारात्मक ऊर्जा दूर भाग जाती है और सुख-समृद्धि का वास होता है।

पाठ के बाद करें ये छोटा सा काम

जब चालीसा का पाठ पूरा हो जाए तो इसके बाद भगवान गणेश जी को मोदक या बेसन के लड्डुओं का भोग लगाएं। इसके बाद एक छोटी आरती करें और अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगते हुए सफलता की प्रार्थना करें। जब आप श्रद्धा के साथ श्री गणेश को पुकराते हैं, तो वो रिद्धि-सिद्धि के साथ आपके जीवन में प्रवेश करते हैं।

रेसिपी

बच्चे भी मांगकर खाएंगे पालक

जब भी घर में हरी सब्जियां बनाने की बात आती हैं, तो बच्चे अपनी नाक सिकोड़ने लगते हैं। इसके बाद लोगों के लिए यह बड़ी चुनौती बन जाती है कि बच्चों को पौष्टिक सब्जी कैसे खिलाएं। पालक में मौजूद आयरन, कैल्शियम और विटामिन का बेहतरीन स्रोत है। ज्यादातर महिलाएं बच्चों को पालक पराठा, पूड़ी या फिर पकौड़ी बनाती है। अब आप अपने बच्चों के लिए पालक चना की सब्जी बना सकती हैं। इस रेसिपी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें पालक का कसैलापन छिप जाता है। आइए आपको पालक चने से बनने वाली सब्जी की रेसिपी बताने जा रहे हैं।
कभी पॉप क्वीन थीं पर जानिए आज कहाँ हैं काइली मिनोग

पालक-चना की सब्जी बनाने की रेसिपी

- इसके लिए आप सबसे पहले पालक को उबाल लें।
- अब इसको छानकर मिक्सर ग्राइंडर में डालकर ऊपर से आधा कटोरी दही मिलाएं और चलाएं।
- फिर इस तैयार किए हुए पेस्ट को कटोरे में निकाल लें।
- अब आप गैस ऑन कर कड़ाही चढ़ाए और इसमें 2 चम्मच सरसों का तेल डालें।
- गर्म होने के बाद इसमें जीरा, हींग, प्याज, हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक पकाएं।
- अब इसमें लाल मिर्च, गरम मसाला, धनिया, हल्दी और नमक डालकर मिलाएं।
- इसके साथ ही थोड़ा-सा पानी मिलाकर 3-4 मिनट तक भून लीजिए, जब तक मसाला तेल न छोड़ने लगे।
- अब आप पालक और दही की प्यूरी डालें और ढककर 5 मिनट तक

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

77वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

सभी आयामों में साहिबगंज राष्ट्रीय मानचित्र पर अपनी नई पहचान बना रहा है: उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज: 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर साहिबगंज जिला अंतर्गत स्थानीय सिध्दो-कान्हू स्टेडियम में मुख्य जिला स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह द्वारा अमर शहीद सिद्धो -कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात परेड की सलामी ली गई। मुख्य समारोह में उपायुक्त हेमंत सती द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया एवं परेड की सलामी ली गई। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, न्यायालय परिवार के सभी सदस्यगण, माननीय जनप्रतिनिधिगण, झारखंड राज्य आंदोलनकारी, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी एवं कर्मचारीगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सम्मानित पत्रकार बंधु तथा यहां उपस्थित सभी नागरिकों का वे हार्दिक अभिनंदन करते हैं।

उन्होंने साहिबगंज जिला वासियों की ओर से अमर शहीद सिद्धो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो सहित समस्त स्वतंत्रता सेनानियों एवं राष्ट्रनायकों को नमन करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित किया तथा कहा कि इन्हीं के त्याग और बलिदान से देश को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।उपायुक्त ने कहा कि 26 जनवरी हमें यह स्मरण कराता है कि हम एक ऐसे लोकतांत्रिक तंत्र का हिस्सा हैं।जहां प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्राप्त हैं।

संविधान किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र की आत्मा है। इस अवसर पर हम सभी संविधान की गरिमा बनाए रखने, मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों के पालन का संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड राज्य निरंतर प्रगति की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में राज्य ने राष्ट्रीय मानचित्र पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है। मैया सम्मान योजना के अंतर्गत जिले की लगभग 1,78,000 महिलाओं के खातों में प्रतिमाह 2500 की राशि हस्तांतरित की जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है। वहीं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगारपरक वातावरण तैयार किया जा रहा है।

आवास योजना के अंतर्गत लगभग 30,000 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रदान कर उनके पक्के घर के सपने को साकार किया गया है। शिक्षा क्षेत्र में उपलब्धियाँ पिछले एक वर्ष में 20 से अधिक विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा कक्ष का निर्माण,लगभग 100 विद्यालयों में आधारभूत संरचना सुधार का प्रस्तावित है। विभिन्न विद्यालयों में 1000 से अधिक बेंच-डेस्क की आपूर्ति किया गया है। सुविधाओं से युक्त डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का प्रस्ताव

साइंस सेंटर की स्थापना विभिन्न प्रखंडों एवं अनुमंडल में पुस्तकालय में पुस्तकों की उपलब्धता। विगत वर्ष 10वीं एवं 12वीं परीक्षा का रिजल्ट रैंक में सुधार हुआ है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में डीएम एफटी फंड से 12 गणित एवं विज्ञान विषय शिक्षकों की नियुक्ति257 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास एवं आईसीटी लैब का संचालन। 103 विद्यालयों में पलाश कार्यक्रम संचालित।15 पीएम श्री विद्यालयों का चयन एवं विकास। खेलो इंडिया खेल प्रेमियों फिट इंडिया अभियान को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थलों पर ओपन जिम की स्थापना। फूलो-झानो स्टेडियम में मॉडल जिम एवं फुटसल पिच का निर्माणराजमहल अनुमंडल में दो खेल बैंक की स्थापना ,सिदो-कान्हु स्टेडियम में गैलरी विस्तार, राजमहल एवं बरहेट में इनडोर स्टेडियम निर्माण, प्रखंड स्तर पर फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र,स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रगतिनवजात शिशुओं हेतु एस एनसीयु, एन आईसीयू की स्थापना

विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति अंत में उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है, परंतु एक जागरूक नागरिक के रूप में हम सभी का भी यह कर्तव्य है कि हम साहिबगंज को झारखंड का सबसे विकसित, स्वच्छ एवं शिक्षित जिला बनाने में अपना पूर्ण योगदान दें। उन्होंने सभी नागरिकों से तिरंगे के नीचे यह संकल्प लेने का आह्वान किया।गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मुख्य समारोह में परेड के लिए प्रथम ग्रामीण पुलिस पुरुष, द्वितीय ग्रामीण पुलिस महिला एवं तृतीय जवाहर नवोदय विद्यालय एनसीसी महिला को उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार बैंड डिस्प्ले में जवाहर नवोदय विद्यालय को प्रथम एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय साहिबगंज को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रभात फेरी में प्रथम मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय कन्या साहिबगंज, द्वितीय सेंट जेवियर्स विद्यालय साहिबगंज अंग्रेजी, तृतीय यमुना दास चौधरी कन्या उच्च विद्यालय साहिबगंज को पुरस्कृत किया गया।झांकी प्रस्तुति करने में वन प्रमंडल को प्रथम, स्वास्थ्य विभाग एवं रेड क्रॉस सोसाइटी को संयुक्त रूप से द्वितीय एवं परिवहन विभाग को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।मुख्य समारोह स्थल में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा शहीदों के आश्रित एवं अलग झारखंड राज्य आंदोलन कारी को शॉल देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए रितिक कुमार पासवान, सुनील पंडित, मुसर्रत जहां को शॉल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए संजीव कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी, जवाहर नवोदय विद्यालय को सम्मानित किया गया। खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कोमला कुमारी, मृत्युंजय कुमार राय, विवेक कुमार यादव, नीरज कुमार यादव, संतोष मुर्मू, इनामुल किस्कू को सम्मानित किया गया।पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए गौरव प्रियदर्शी एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ आशुतोष, राजेश कुमार, रश्मि प्रिया तिर्की, आदित्य कुमार, बीना टुडू, सोफिया टुडू ,हेमलता टुडू, नीलिमा टोप्पो, रेशमा मुर्मू ,क्रिस्टीना मुर्मू ;सुमी मुर्मू,रुणा कुमारी को सम्मानित किया गया।इसी प्रकार नियमित टीकाकरण में उत्कृष्ट कार्य के लिए मीना सिंह, सरिता कुमारी, विजय राम, अशोक हरिजन को उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा शॉल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नए यूजीसी रेगुलेंस में करें संशोधन : अंकित पाण्डेय

संवाददाता

साहिबगंज: समाजसेवी टाइगर अंकित पाण्डेय ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए 13 जनवरी 2026 को यूजीसी रेगुलेंस का विरोध करते हुए कहा कि संविधान में दिए गए समानता का अधिकार के नाम पर तानाशाही और उच्च शिक्षा में आपसी भाईचारा ढांचे को तोड़ने का प्रयास है। किसी ने इस कानून में संशोधन की मांगा नहीं की थी,फिर भी सरकार ने यूजीसी में नए नियमों के माध्यम से एक ऐसा नियम थोप दिया, जो हर कॉलेज और विश्वविद्यालय परिसर में सामान्य वर्ग के छात्रों को खुलेआम निशाना बनाने का रास्ता खोल रहा है।सामान्य भाषा में कहे तो यूजीसी में लाए गए नए संशोधन सामान्य वर्ग के छात्रों को शिक्षा से दूर करने की एक गंदी साजिश है।इसमें जो कमेटी रहेगी वह कॉलेज कैंपस में घूम-घूम कर शिकायतें इकट्ठा करेंगी। एक भी शिकायत मिली नहीं की सामान्य वर्ग को दोषी ठहरा दिया जाएगा।वहीं फर्जी शिकायत करने वालों पर कोई सजा या जुमार्ना का कोई प्रवधान नहीं है।जबकि आरोपी सामान्य वर्ग का छात्र मानसिक यातना और कैरियर की बबार्दी झेलता रहेगा।जांच कमेटी में एससी एसटी ओबीसी दिव्यांग और महिला के प्रतिनिधि रहेंगे पर सामान्य वर्ग का कोई नहीं फिर हम कैसे यह अपेक्षा करें कि सामान्य वर्ग की आवाज को सुना जाएगा ?सीधे-सीधे यूजीसी में नए संशोधन आपसी रंजिश का बदला और धन उगाई का एक यंत्र बनकर रह जाएगा।

निर्वाचन की तैयारी, व्यवस्थाओं व समयबद्ध निष्पादन पर विस्तृत चर्चा

- नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर गोपनीय प्रकोष्ठ में बैठक आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज: नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 की विधिवत घोषणा के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में गोपनीय प्रकोष्ठ में नगरपालिका चुनाव से संबंधित विभिन्न कार्यों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन की तैयारी, व्यवस्थाओं एवं समयबद्ध निष्पादन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 का निर्वाचन कार्यक्रम निम्नवत निर्धारित किया गया है। प्रपत्र 5 में निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन 28 बुधवार, समयः पूर्वाह्न 11:00 बजेनाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की तिथि,29 गुरुवार से 04 फरवरी बुधवार तक समय पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तकनाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की तिथि 05 फरवरी गुरुवार

समयः पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक

अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की तिथि 6 फरवरी शुक्रवारक्ष समयः पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तकनिर्वाचन प्रतीक आवंटन की तिथि

07 फरवरी शनिवार समयः पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक मतदान की तिथि यदि आवश्यक हो,दिनांकः 23 फरवरी सोमवार समयः प्रातः 7:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तकमतगणना की तिथि 27 फरवरी शुक्रवार,समयः प्रातः 8:00 बजे से बैठक के दौरान उपायुक्त महोदय द्वारा विभिन्न कोषांगों के गठन, नामांकन कक्ष में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, वीडियोग्राफी व्यवस्था, तथा निर्वाचन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा सके।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा,परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आइन्द, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कु, प्रखंड विकास पदाधिकारी बड़हरवा सन्नी कुमार, अंचलाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

टीबी मुक्त साहिबगंज के संकल्प के साथ गणतंत्र दिवस पर जागरूकता क्रिकेट मैच आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज : गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज व स्वास्थ्य विभाग साहिबगंज के संयुक्त तत्वावधान में जिले को टीबी मुक्त साहेबगंज बनाने के उद्देश्य से सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहेबगंज में एक भव्य जन-भागीदारी जागरूकता क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह मुकाबला न्यायपालिका,पुलिस प्रशासन बनाम जिला प्रशासन एकादश के बीच खेला गया, जिसमें खेल भावना, उत्साह और जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। इस विशेष आयोजन का नेतृत्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार व उपायुक्त-सह-उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज हेमंत सती ने संयुक्त रूप से किया। न्यायपालिका ,पुलिस प्रशासन टीम के कप्तान स्वयं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार थे, जबकि जिला प्रशासन एकादश के कप्तान उपायुक्त हेमंत सती रहे।,पुलिस प्रशासन टीम के खिलाड़ी में टीम में कप्तान अखिल कुमार के अतिरिक्त तुषार आनंद अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी-सह-रजिस्ट्रार, व्यवहार न्यायालय, साहिबगंज, राहुल कुमार (रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी अमोघ शक्ति, आदित्य कुमार उपाध्याय, विमलेश त्रिपाठी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राजमहल अनीश पाण्डेय (थाना प्रभारी, साहेबगंज मुफ्फसिल), रोहित कुमार थाना प्रभारी, बोरियो शशि सिंह थाना प्रभारी, जिरवाबाड़ी, मनीष कुमार आरक्षी, जिरवाबाड़ी थाना अन्य पदाधिकारियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन एकादश टीम में जिला प्रशासन एकादश की ओर से कप्तान हेमंत सती, उपायुक्त के अतिरिक्त वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला बागवानी पदाधिकारी अमितेश कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, साहेबगंज अभिषेक कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, बरहरवा दीपक कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, राजमहल, भूमि संरक्षण अधिकारी राहुल कुमार, प्रबंधक जिला उद्योग चंद्रशेखर शर्मा, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद कुमार, विवेकानंद सहित विभिन्न प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।रोमांचक मुकाबले में न्यायपालिका पुलिस प्रशासन की जीत - पूरे मैच के दौरान दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला । रोमांचक मुकाबले में न्यायपालिका पुलिस प्रशासन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की माध्यम से आमजन को टीबी के प्रति जागरूक करने समय पर जांच एवं उपचार के महत्व को समझाने तथा टीबी मुक्त साहेबगंज के संकल्प को जन-आंदोलन का रूप देने का सशक्त संदेश दिया गया। यह आयोजन न केवल खेल भावना का प्रतीक रहा बल्कि जनस्वास्थ्य के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का भी उत्कृष्ट उदाहरण बना। दर्शक दीर्घा में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, साहेबगंज संजय उपाध्याय, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शेखर कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लमाये, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अभिषेक प्रसाद, डालसा सचिव विश्वनाथ भगत, सिविल सर्जन डा रामदेव पासवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, बच्चे एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

जरूरतमंदो को घर पर जाकर दिया कंबल

भाजपा नेता अमित सिंह ने गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया

साहिबगंज: गोड्डा लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉक्टर निशिकांत दुबे के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य अमित सिंह ने सेवा दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान भाजपा नेता अमित सिंह रेलवे स्टेशन,साहिबगंज सदर अस्पताल,बस स्टैंड के रैन बसेरा और राहगीरों एवं जरूरतमंदो के बीच कंबल वितरण किया।भाजपा नेता अमित सिंह ने कहा कि ऐसा घर जिनके यहां से महिला,पुरुष दोनों काम पर निकल जाते हैं ।और उनको किसी भी माध्यम से कंबल नहीं मिल पाता है ऐसे जरूरतमंदो के घर पर जाकर कंबल वितरण किया।मौके पर भाजपा नेता अमित सिंह के दोनों पुत्र के आलावे राजीब रंजन झा,विकास यादव,मोहम्मद चिंटू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जेल अदालत, विधिक जागरूकता सह स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

साहिबगंज : गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार झालसा, रांची के निदेर्शानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में मंडल कारा साहिबगंज में जेल अदालत विधिक जागरूकता सह स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। सत्र न्यायाधीश प्रथम शेखर कुमार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लमाये ,जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, चीफ लीगल डिफेंस काउंसिल अरविन्द गोयल एवं उनकी टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही मंडल कारा के अधीक्षक परमेश्वर भगत सहित कारा प्रशासन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान बंदियों के मामलों की सुनवाई हेतु जेल अदालत का संचालन किया गया। वहीं बंदियों को उनके विधिक अधिकारों निःशुल्क विधिक सहायता लोक अदालत जमानत प्रक्रिया अन्य कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त बंदियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श और दवा प्रदान किया गया।अधिकारियों ने बंदियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए न्याय तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने पर बल दिया। इस पहल को बंदियों के कल्याण एवं न्यायिक प्रक्रिया को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

राजद जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव के आवसीय कार्यालय में हुआ झंडोत्तोलन

साहिबगंज: राजद जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव अपने आवासीय कार्यालय सकरीगली में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से मनाया।इस अवसर पर राजद के जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव ने झंडोत्तोलन किया।अपने संबोधन में दिनेश यादव कहा कि वर्षों तक गुलामी की जंजीरों में जकड़े हमारे देश को आजादी दिलाने में अनगिनत राष्ट्रभक्तों ने कुर्बानियां दी।उन महापुरूषों का बलिदान भुलाया नहीं जा सकता है।गणतंत्र दिवस के अवसर पर हमें देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लेना ही उन अमर शहीदों स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।मौके पर पूर्व प्रधानाचार्य श्री राम मंडल,विमल यादव,मनोज यादव रणधीर चौरसिया राजेश यादव,सौरभ कुमार,सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पत्थर व्यवसायी व झामुमो नेताओं की कोलकाता में हुई हाई लेवल बैठक

साहिबगंज : झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा के आह्वान के बाद पत्थर व्यवसाईयों के सहयोग से साहिबगंज और पाकुड़ में रेलवे में पत्थर एवं कोयला की रैक लोडिंग का कार्य बंद किये जाने के बाद मंगलवार को रेलवे के अधिकारी एवं पत्थर व्यवसायी हुई।बैठक में मुख्य रूप से ईस्टर्न रेलवे के जीएम मिलीन्द देउश्कर, झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा महेशपुर विधायक स्टीफन मरांडी,लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू झामुमो केंद्रीय कमेटी सदस्य संजय गोस्वामी पत्थर व्यवसाय बोदी सिन्हा अन्य लोग मुख्य रूप से शामिल हुए।बैठक में कई मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया मामले को लेकर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने बताया कि रेलवे के द्वारा हाई लेवल की बैठक में हमारे दोनों विधायक तथा क्षेत्र के पत्थर व्यवसाई के बीच हुई बैठक में रेलवे ने पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव तथा साहिबगंज में पूर्वी व पश्चिमी आरोबी का टेंडर जल्द किये जाने तथा पाकुड़ से भागलपुर के लिए एक लोकल ट्रेन देने जो दिल्ली के लिए जाने वाली ट्रेन का मेल देगी पाकुड़ में बंद पड़े एक्सीलेटर को चालू करने साहिबगंज में लोको सेट का निर्माण करने तथा वनांचल एक्सप्रेस ट्रेन में फर्स्ट एसी का एक पूरा कोच देने तथा अन्य मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी है।

यश के जन्मदिन पर आएगा टॉक्सिक का टीजर, पहले से अलग किरदार में नजर आएंगे अभिनेता

साउथ के सुपरस्टार यश के फैंस उनकी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक को लेकर उत्साहित हैं। फैंस इसकी हर अपडेट जानना चाहते हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म की स्टारकास्ट के लुक शेयर किए हैं, जिसे फैंस ने पसंद किया है। अब मेकर्स ने फिल्म के टीजर रिलीज का ऐलान किया है। मेकर्स ने जानकारी दी है कि टॉक्सिक-ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का टीजर 8 जनवरी, 2026 को रिलीज होने वाला है।

यश के जन्मदिन पर आएगा टॉक्सिक का टीजर

जिस दिन टॉक्सिक का टीजर रिलीज होगा उसी दिन अभिनेता यश का जन्मदिन है। फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है यश का 40 साल का होना उनके फैंस के लिए एक बहुत बड़ा पल है। ऐसे में टीम को लगा कि टॉक्सिक को दुनिया के सामने पेश करने के लिए इससे बेहतर दिन नहीं हो सकता। रिलीज से पहले ही यह फिल्म चर्चा में है। इसकी वजह यह है कि इसमें यश को एक अलग किरदार में दिखाने का वादा किया गया है। इसमें वह अपने पिछले किरदारों से अलग नजर आएंगे।

एक्शन और भावनात्मक गहराई से भरपूर होगी फिल्म

फिल्ममेकर गीतू मोहनदास के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक स्टाइलिश गैंगस्टर ड्रामा है। उम्मीद की जा रही है कि फिल्म में सिर्फ जबरदस्त एक्शन ही नहीं, बल्कि भावनात्मक गहराई भी दिखाई जाएगी।

फिल्म की रिलीज डेट आई सामने

फिल्म की स्टार कास्ट का कुछ हिस्सा पहले ही सामने आ चुका है। मेकर्स ने बताया कि नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया अहम किरदारों में होंगी। मेकर्स ने इनके लुक पहले ही रिवील कर दिए हैं। यह फिल्म 19 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

'लोका' की सफलता के बाद अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन

अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1ः चंद्रा' में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। 'लोका' की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं। जानिए क्या है पूरी सच्चाई और क्यों कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की हो रही है चर्चा..

इंस्टाग्राम स्टोरी से उठी चर्चाएं

ऐसी चर्चाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चर्चाएं तेज हुईं कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और प्रलय के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास ब्लाइंडनेस की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

यह है ब्लाइंडनेस की कहानी

कल्याणी के नॉवेल ब्लाइंडनेस की तस्वीर शेयर करने से उनके प्रलय में नजर आने की चर्चाएं इसलिए भी उठ रही हैं, क्योंकि इस किताब में हानि, दिशाहीनता और कमजोरी की एक इमोशनल कहानी है। किताब में एक शहर श्वेत अंधापन की महामारी की चपेट में आ जाता है। जिसके शिकार एक खाली मानसिक अस्पताल में बंद कर दिए जाते हैं। जबकि इस भयावह घटना का एकमात्र चश्मदीद गवाह सात अजनबी लोगों को इस बंजर शहरी परिदृश्य में रास्ता दिखाता है।

मुकेश छाबड़ा कर रहे 'प्रलय' पर काम

इन अटकलों के बीच मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोस्ट में खुलासा किया कि वह प्रलय पर काम कर रहे हैं। उनके ट्वीट से कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की अफवाहों की ओर इशारा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रलय शुरू करने का बेसब्री से इंतजार है। बहुत उत्साहित हूं।'

'प्रलय' की कहानी और कास्टिंग को लेकर नहीं है कोई जानकारी

हालांकि, प्रलय फिल्म की कहानी के बारे में अभी तक कोई ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म की शूटिंग साल के दूसरे छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। जबकि फिल्म 2027 में रिलीज होने की संभावना है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा अभी किसी की कास्टिंग को लेकर भी कुछ भी कंफर्म नहीं है।

बॉलीवुड पुरानी चीजों को नए तरीके से पेश कर रहा

बॉलीवुड अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने साल 2025 में निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' का निर्देशन किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी और फिल्म को मिले-जुले रिएक्शन हासिल हुए थे। अब टिस्का का ऐसा मानना है कि बॉलीवुड में क्रिएटिव नजरिए से रिस्क लेने से मेकर्स काफी घबराते हैं और वो राइटिंग पर कम ध्यान देते हैं।

हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते

बातचीत के दौरान टिस्का चोपड़ा ने बॉलीवुड में होने वाले बदलावों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री की उन कमियों का भी जिक्र किया, जिन्हें दूर किया जाना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा कि समस्या यह है कि हम फलों को पानी दे रहे हैं, जड़ों को नहीं, यानी लेखन को। काम बेहद सतही हो गया है। मैं यह नहीं कह रही कि कॉमर्शियल या कॉमेडी फिल्में नहीं बन सकतीं, लेकिन इसकी शुरुआत राइटिंग से होती है। आपको अपने लेखकों को समय देना होगा और उन्हें आइडियाज पर सोचने की आजादी देनी होगी, तभी वो कुछ क्रिएटिव सोच पाएंगे। लेकिन हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते। हम बहुत डरे हुए हैं। कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता। हम वही पुरानी चीजें थोड़े-बहुत बदलाव के साथ करते रहते हैं। दर्शक अब इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। जब आप दृढ़ विश्वास के साथ कुछ नया लाते हैं, तो लोग उसे स्वीकार कर लेते हैं।

कई और दिग्गज भी क्रिएटिविटी को लेकर कर चुके हैं बात

टिस्का चोपड़ा से पहले भी कई दिग्गज बॉलीवुड में लेखकों को प्रोत्साहित करने और राइटिंग में कुछ क्रिएटिव करने की बात कह चुके हैं। धुरंधर की तारीफ करते हुए अधिकांश लोगों ने फिल्म की राइटिंग और उसके तकीनीकी पक्ष की तारीफ की है। इनमें ऋतिक रोशन, सुधीर मिश्रा और राम गोपाल वर्मा जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

कोग्नीवेरा कप 2026: जिंदल बेदला ने चांदना पोलो को 9.5-5 से हराया

एजेंसी

जयपुर : कोग्नीवेरा कप 2026 के तहत जयपुर में बुधवार को खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में जिंदल बेदला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चांदना पोलो को 9.55 से पराजित किया। इस जीत के साथ जिंदल बेदला ने मौजूदा सत्र में अपनी विजयी लय को और मजबूत किया। हैंडिकैप नियम के तहत जिंदल बेदला ने मैच की शुरूआत 0.5 अंक की बढ़त के साथ की। शुरूआती चक्कर में दोनों टीमों ने तेज खेल दिखाते हुए एक-दूसरे की रक्षा पंक्तियों को भेदने की कोशिश की। हालांकि, जल्द ही जिंदल बेदला ने मैच पर पकड़ बना ली।

सिद्धांत शर्मा और राव हिम्मत सिंह बेदला के बेहतरीन खेल की बदौलत जिंदल बेदला ने दूसरे चक्कर के अंत तक मजबूत बढ़त हासिल कर ली। सिद्धांत शर्मा ने लगातार तीन गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3.5 गोल तक पहुंचाया। दूसरे चक्कर के अंत में स्कोर 6.5झ्र3 जिंदल बेदला के पक्ष में रहा।

अंतिम चक्कर में भी जिंदल बेदला का दबदबा बरकरार रहा। सिद्धांत शर्मा ने दो और गोल करते हुए मुकाबले को पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया और किसी भी संभावित उलटफेर की

गुंजाइश नहीं छोड़ी। मैच में सिद्धांत शर्मा ने कुल छह गोल किए, जबकि राव हिम्मत सिंह बेदला ने दो गोल दागे। सिमरन शेरगिल ने भी एक गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। यह जीत हाल ही में राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप में मिली सफलता के बाद आई है, जिससे साफ है कि इस सत्र में जयपुर पोलो सर्किट में जिंदल बेदला सबसे मजबूत टीम के रूप में उभर रही है। टीम अब ऐतिहासिक सात फुट ऊंची कोग्नीवेरा ट्रॉफी जीतने की ओर मजबूती से बढ़ रही है।

गुजरात के खिलाफ जुझारू पारी के बाद बोलीं निकी प्रसाद- ये परिस्थितियां मेरे लिए सीखने के पल हैं

एजेंसी

वडोदरा : जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-मालिकाना हक वाली दिल्ली कैपिटल्स महिला टीम मंगलवार को बीसीए स्टेडियम, कोटांबी में खेले गए विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में गुजरात जायंट्स के खिलाफ तीन रन से हार गई। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 171 रन ही बना सकी। इस मुकाबले में 20 वर्षीय युवा बल्लेबाज निकी प्रसाद ने दबाव भरी स्थिति में शानदार जुझारूपन दिखाया। टीम के 100 रन पर 6 विकेट गिर जाने के बाद मैदान पर उतरीं निकी ने मात्र 25 गेंदों में 47 रनों की निडर पारी खेली। उन्होंने स्नेह राणा के साथ सिर्फ 31 गेंदों में 70 रनों की अहम साझेदारी

कर मैच को आखिरी ओवर तक पहुंचाया। हालांकि अंतिम ओवर में सोफी डिवाइन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए आठ रनों का बचाव किया और गुजरात जायंट्स को जीत दिलाई।

इससे पहले गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से श्रेया चरणी सबसे प्रभावशाली गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 31 रन देकर 4 विकेट झटके और मध्य ओवरों में रन गति पर काफी हद तक लगाम लगाई।

मैच के बाद अपनी पारी पर बात करते हुए निकी प्रसाद ने कहा, ह्लजब मैं बल्लेबाजी करने आई, तब स्थिति काफी मुश्किल थी। लेकिन मेरे दिमाग में साफ था कि अगर मैं क्रीज पर टिके रहूं और रन गति बनाए रखूं, तो हम मैच में बने रह सकते हैं। स्नेह के आते ही जिस तरह उन्होंने चौके लगाए, उससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया। हम दोनों की कोशिश 12 रन प्रति ओवर की रफ्तार बनाए रखने की थी।

अपनी बल्लेबाजी रणनीति पर बोलते हुए निकी ने कहा, ह्लहमने जल्दी समझ लिया था कि गेंदबाज थोड़ी धीमी और छोटी गेंदें कर रहे हैं, इसलिए मैंने गैप्स में खेलने और हवा में शॉट लगाने की कोशिश की। जैसे ही गेंद जमीन पर लगती थी, वह तेजी से बाउंड्री की ओर जा रही थी।ह्व

करीबी हार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, ह्लइतने करीब आकर हारना निराशाजनक है, लेकिन मेरे लिए ये परिस्थितियां सीखने के पल हैं। मैं और मेहनत करूंगी ताकि अगली बार ऐसी स्थिति में टीम को जीत दिला सकूं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः रयबाकिना ने स्वियातेक को चौंकाया, सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मेलबर्न : पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना ने बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से शिकस्त दी। मेलबर्न पार्क में खेले गए इस मुकाबले में पहला सेट कड़ा रहा, लेकिन दूसरे सेट में रयबाकिना ने पूरी तरह दबदबा बनाते हुए जीत अपने नाम की। 28 वर्षीय रयबाकिना पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने की दौड़ में हैं और अब सेमीफाइनल में उनका सामना जेसिका पेगुला या अमांडा अनीसिमोवा से होगा।

मैच के बाद रयबाकिना ने कहा,

इस जीत से बहुत खुश हूं। हम एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह जानते हैं और मेरी कोशिश आक्रामक बने रहने की थी। पहले सेट में हम दोनों की पहली सर्विस ज्यादा प्रभावी नहीं थी, इसलिए हम दूसरी सर्विस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे। दूसरे सेट में मैंने ज्यादा खुलकर खेला, सर्विस बेहतर रही और यही फर्क पड़ा। मैच की शुरूआत स्वियातेक ने तेज की और पहले ही गेम में रयबाकिना की सर्विस तोड़ दी, लेकिन वह इस बढ़त को कायम नहीं रख सकीं और तुरंत ही ब्रेक वापस गंवा बैठीं। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाए रखीं। पहले सेट के अंतिम गेम में स्वियातेक की एक बड़ी चूक का फायदा उठाते हुए रयबाकिना ने सेट अपने नाम कर लिया, जिसे जीतने में करीब एक घंटा लगा। दूसरे सेट में रयबाकिना ने स्वियातेक की सर्विस से जुड़ी परेशानियों का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने तेज और सटीक फोरहैंड विनर लगाकर ब्रेक हासिल किया। सेट के अंतिम हिस्से में एक करीबी लाइन कॉल को लेकर स्वियातेक असहज नजर आईं, जिसका फायदा उठाते हुए रयबाकिना ने एक और ब्रेक लिया और आराम से सर्विस होल्ड कर मुकाबला जीत लिया।

इस शानदार जीत के साथ एलेना रयबाकिना ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है और अब उनकी नजर फाइनल में प्रवेश करने पर होगी।

आतंकवाद पर भारत संदेश, जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा : मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने सिद्ध कर दिया है कि वह शक्ति का प्रयोग उत्तरदायित्व और विवेक के साथ करता है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा है तथा सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। राष्ट्रपति ने गुरु तेग बहादुर जी की पंक्ति का उल्लेख करते हुए कहा–ह्न किसी से डरें, न किसी को डराएंह्व, यही भारत की सुरक्षा नीति का मूल है।

अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2026 के साथ भारत इस सदी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। सदी के पहले 25 वर्षों में भारत ने अनेक सफलताएं, गौरवपूर्ण उपलब्धियां और महत्वपूर्ण अनुभव अर्जित किए हैं। बीते 10ह्न11 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में अपनी नींव मजबूत की है, जो वर्ष 2047 तक विकसित भारत की तेज यात्रा का आधार बनेगी। राष्ट्रीय विरासत का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बीता वर्ष भारत के तेज विकास और विरासत के उत्सव के रूप में स्मरणीय रहा। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में कार्यक्रम आयोजित हुए और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन किया गया। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, सरदार पटेल की 150वीं जयंती और भारत रत्न भूपेन हजारिका की जन्म-शताब्दी समारोहों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राष्ट्रीय एकता और नई पीढ़ी को प्रेरणा देते हैं।

सामाजिक न्याय पर जोर देते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर समानता और सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर थे। संविधान भी हमें यही प्रेरणा देता है कि हर नागरिक को बिना भेदभाव के उसका पूरा अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि सरकार सच्चे सामाजिक न्याय के लिए समर्पित है और इसका परिणाम है कि पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक देशवासी गरीबी से बाहर आए हैं।

राष्ट्रपति ने बताया कि पिछले दस वर्षों में गरीबों के लिए चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए, जिनमें से 32 लाख मकान केवल पिछले एक वर्ष में प्रदान किए गए। जल जीवन मिशन के तहत पांच वर्षों में साढ़े 12 करोड़ परिवारों तक नल से जल पहुंचाया गया। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक परिवारों को एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि डीबीटी के जरिए एक वर्ष में पौने सात लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई गई, जिससे पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित हुई।

स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अब तक 11 करोड़ से अधिक मुफ्त इलाज किए जा चुके हैं। बीते डेढ़ वर्ष में लगभग एक करोड़ बुजुर्गों को वय वंदना कार्ड जारी किए गए। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन, जापानी इंसेफ्लाइटिस पर नियंत्रण और ट्रेकोमा मुक्त भारत को बड़ी उपलब्धि बताया।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक संकटों के बावजूद दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी हुई है। महंगाई नियंत्रण, आय में वृद्धि और बचत बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग को सीधा लाभ मिला है। उन्होंने यूरोपीय संघ के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस सेक्टर और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

अंतरराष्ट्रीय भूमिका पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जटिल वैश्विक परिस्थितियों में भारत विश्व में एक सेतु की भूमिका निभा रहा है। युद्धरत देश भी भारत पर भरोसा जता रहे हैं। भारत ने संतुलन, निष्पक्षता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ ह्यइंडिया फर्स्टह्ल के संकल्प को कायम रखा है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ की आवाज को भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाया है और जी-20, ब्रिक्स, एससीओ जैसे मंचों पर भारत की भूमिका सशक्त हुई है।

राष्ट्रपति ने सुरक्षा के साथ-साथ आत्मनिर्भरता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया, पीएलआई योजना और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग से भारत की सामरिक क्षमता मजबूत हुई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेड इन इंडिया रक्षा प्लेटफॉर्म्स पर वैश्विक भरोसा बढ़ा है।

अभिभाषण के अंत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सांसदों से राष्ट्रहित के मुद्दों पर एकमत होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य किसी एक सरकार या पीढ़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सतत यात्रा है, जिसे संसद, सरकार और नागरिक मिलकर पूरा करेंगे। राष्ट्रपति ने सभी सांसदों को सफल और सार्थक सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं।

डिजिलॉजिक सिस्टम्स ने निवेशकों को दिया झटका कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली : डिफेंस और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग सेक्टर के लिए ऑटोमेटेड टेस्ट इक्विपमेंट सिस्टम, रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिमुलेटर के डिजाइन, डेवलपमेंट, इंटीग्रेशन, मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई और सपोर्ट का काम करने वाली कंपनी डिजिलॉजिक सिस्टम्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 104 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 83.20 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर बाद ही 79.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवर पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी को प्रति शेयर 24.95 रुपये यानी 23.99 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। डिजिलॉजिक सिस्टम्स का 81 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 22 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.10 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.42 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.08 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 77.88 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 66 करोड़ रुपये के 63,08,400 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि 10,89,600 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई फैसिलिटी का सेटअप करने, पुराने कर्ज का बोझ कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.18 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था,

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में बारिश का अलर्ट

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ में धीरे-धीरे तापमान में बढ़ोतरी से गर्मी महसूस होने लगी है । प्रदेश के कई जिले ऐसे भी हैं, जहां रात का तापमान भी बढ़ने लगा है। लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, रायपुर, राजनांदगांव, सरगुजा समेत प्रदेश के 14 जिलों में मौसम में बड़ा बदलाव होगा और इन जिलों में बारिश भी होगी। प्रदेश के इन जिलों में तेज हवा चलने और बिजली गिरने की भी संभावना जताई है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की बात कही है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में दो सक्रिय मौसम तंत्र के साथ एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बादल छाने और हल्की बारिश की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक, 28 और 29 जनवरी को सरगुजा संभाग और उससे लगे बिलासपुर संभाग के जिलों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

बीते दिनों प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 14 राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।आज रायपुर और आसपास के जिलों में सुबह से कोहरा छाया हुआ है। रायपुर में दिन का तापमान लगभग 31 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान लगभग 16 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

चंडीगढ़ में पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी

चंडीगढ़ : चंडीगढ़ में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब यहां के पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। गणतंत्र दिवस की छुट्टियों के बाद आज सुबह ही स्कूल खुलेहैं । यह धमकी स्कूलों की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर दी गई है। स्कूलों में छुट्टी कर बच्चों को घर भेज दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड की मदद से सर्च की। जिन स्कूलों को धमकी दी गई है उनमें सेक्टर-25 स्थित चितकारा इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-16 का मॉडल स्कूल, सेक्टर-45 का सेंट स्टीफन स्कूल, सेक्टर-35 का मॉडल स्कूल और सेक्टर-19 का मॉडल स्कूल शामिल हैं। पुलिस को इन स्कूलों में सर्च के दौरान कुछ नही मिला। सुरक्षा की दृष्टि से स्कूलों के आसपास पुलिस तैनात की गई हैं। चंडीगढ़ पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि साइबर पुलिस मामले की जांच कर रही है। बहुत जल्द इस बारे खुलासा किया जाएगा।

भोपाल में आज राज्य स्तरीय शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे शामिल

एजेंसी

भोपाल : मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आज (बुधवार को) एक भव्य राज्य स्तरीय शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा अपने 55 वर्षों के गौरवशाली सफर के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जहां उनके शिक्षक हितैषी निर्णयों के लिए उनका भव्य अभिनंदन और सम्मान किया जाएगा। यह सम्मेलन दोपहर 1 बजे से शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल में आयोजित होगा। इसमें प्रदेशभर से करीब 3 से 4 हजार शिक्षक एवं पदाधिकारी भाग लेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप

सिंह, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षणिक महासंघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री (दिल्ली) महेंद्र कपूर और विधायक भगवानदास सबनानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के राज्य अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर करेंगे।

शैक्षिक गुणवत्ता पर मंथन, सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

सम्मेलन के दौरान शैक्षिक गुणवत्ता, शिक्षा में नवाचार और शिक्षक सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही, शिक्षा और संगठन के प्रति समर्पित सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान भी किया जाएगा।

55 वर्षों की उपलब्धियों की प्रदर्शनी

इस अवसर पर संगठन की 55 वर्षों की शैक्षणिक एवं सामाजिक उपलब्धियों को दर्शाने वाली एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें राष्ट्र, शिक्षा और छात्र हित में किए गए कार्यों की झलक देखने को मिलेगी।

व्यवस्था और पंजीयन के पुख्ता इंतजाम

आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। पंजीयन व्यवस्था शिवाजी नगर स्थित उद्यान में की गई है। महिला पदाधिकारियों के ठहरने हेतु दीपशिखा विद्यालय में विशेष व्यवस्था की गई है। सभी जिलाध्यक्षों को अपने-अपने जिलों के पदाधिकारियों की सूची जमा कर प्रवेश पत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

पार्किंग की विस्तृत व्यवस्था

प्रदेश के विभिन्न संभागों से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था की गई है– रीवा, जबलपुर, शहडोलः राजीव गांधी हाई स्कूल, माचना कॉलोनी ग्वालियर-चंबल, सागरः सरोजिनी नायडू उ.मा. विद्यालय

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार चढ़ाव होता रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। यूनाइटेड हेल्थ के शेयर में आई जबरदस्त गिरावट के कारण डाउ जॉन्स 400 अंक टूट कर बंद हुआ। दूसरी ओर, एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,979.33 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 215.74 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,817.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 49,026.99 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.58 प्रतिशत उछल कर 10,207.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,152.82 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 0.16 प्रतिशत लुढ़क कर 24,894.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। अमेरिकी फाइनेंशियल कंपनी एमएससीआई इंक द्वारा इंडोनेशिया स्टॉक मार्केट की इनवेस्टिबिलिटी पर चिंता जताए जाने और उसे डाउनग्रेड करने की चेतावनी देने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल ये सूचकांक 685.74 अंक यानी 7.64 प्रतिशत टूट कर 8,294.49 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 303.54 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 53,030 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत फिसल कर 4,900.55 अंक के स्तर पर और गिफ्ट निफ्टी 0.05 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 25,405 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 642.05 अंक यानी 2.31 प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 27,769 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 307.44 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ 32,625.36 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.95 प्रतिशत उछल कर 5,132.97 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की छलांग लगा कर 4,160.01 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 1,335.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

मणिपुर में एक किलो से अधिक ब्राउन शुगर जब्त, एक गिरफ्तार

बिष्णुपुर (मणिपुर) : मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर ज़िले के नामबोल थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान क्वाक्ता खुमान वार्ड नंबर-4 निवासी 54 वर्षीय मोहम्मद बासिर खान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को नामबोल क्षेत्र से गिरफ्तार आरोपित के पास से 1.029 किलोग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। इसके अलावा कार्रवाई के दौरान एक मोबाइल फोन और एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया। जब्त वाहन मारुति स्विफ्ट कार है, जिसका पंजीकरण नंबर एमएन-06-एलएक्स-0437 बताया गया है। पुलिस का कहना है कि वाहन का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी में किया जा रहा था। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और मादक पदार्थों के स्रोत तथा इससे जुड़े नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पथरुघाट का संग्राम असम के इतिहास का गौरवशाली लेकिन पीड़ादायक अध्याय: मुख्यमंत्री

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को पथरुघाट संग्राम स्मृति दिवस के अवसर पर 1894 के ऐतिहासिक पथरुघाट संग्राम के शहीद किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने इसे असम और भारत के इतिहास का एक गौरवशाली लेकिन अत्यंत पीड़ादायक अध्याय बताया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि पथरुघाट संग्राम औपनिवेशिक अन्याय के विरुद्ध असम के किसानों के साहस, एकता और सर्वोच्च बलिदान का अमिट प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक संघर्ष की स्मृति आज भी जन-जन के हृदय में जीवित है और समाज को आत्मसम्मान तथा न्याय के लिए संघर्ष की प्रेरणा देती है। डॉ. सरमा ने कहा कि शहीद किसानों का अतुलनीय देशप्रेम और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पथरुघाट संग्राम केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि असम के लोगों के अदम्य साहस, गरिमा और संघर्षशील चेतना का प्रतीक है।

नाजिराबाद अग्निकांड मामले में फैक्ट्री मालिक गिरफ्तार

कोलकाता : दक्षिण 24 परगना जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र के नाजिराबाद इलाके में स्थित मोमो निर्माण इकाई और गोदाम में लगी भीषण आग के मामले में पुलिस ने मंगलवार रात फैक्ट्री मालिक गंगाधर दास को गिरफ्तार कर लिया। इस हादसे में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित को कोलकाता के गरिया इलाके से पकड़ा गया और बुधवार को बारुईपुर अदालत में पेश किया जाएगा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद से ही गंगाधर दास फरार था। मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। इससे पहले दास के खिलाफ आनंदपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार ने मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। शहरी विकास मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि शवों या उनके अवशेषों की पहचान के बाद यह मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि डीएनए जांच कराने के लिए बुधवार को अदालत से अनुमति मांगी जाएगी। मंत्री हकीम ने घटनास्थल का दौरा कर कहा था कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि अब तक बरामद शवों की फॉरेंसिक जांच चल रही है और कई लोगों के लापता होने की शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। पुलिस के अनुसार, पूर्व मेदिनीपुर जिले के करीब 13 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। जांच में सामने आया है कि गंगाधर दास पूर्व मेदिनीपुर जिले के खेजुरी थाना क्षेत्र के पुर्व छड़ा का निवासी है और पिछले चार दशकों से सजावट के व्यवसाय से जुड़ा हुआ था। घटना के बाद से उसका खेजुरी स्थित आवास बंद पाया गया है। फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने स्वीकार किया कि संबंधित इकाई के पास अनिवार्य अग्नि सुरक्षा मंजूरी नहीं थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इस यूनिट को कोई फायर सेफ्टी क्लीयरेंस जारी नहीं की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने लापता लोगों के परिजनों के घरों का दौरा कर हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। करीब चार बीघा क्षेत्र में फैली इस इकाई में दो सौ के करीब मजदूर काम करते थे और यहां प्लास्टिक फूल, लकड़ी, कपड़ा और फर्नीचर जैसी अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री का भारी भंडारण था। दमकल विभाग के अनुसार, इन्हीं ज्वलनशील सामग्रियों की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैल गई।

फरवरी में आयोजित की जाएगी तीन दिवसीय शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी

प्रयागराज : तीन दिवसीय मण्डलीय शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी फरवरी माह में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी बुधवार को प्रयागराज राजकीय उद्यान अधीक्षक जगदीश प्रसाद ने दी।
उन्होंने बताया कि मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर आयुक्त, प्रयागराज की अध्यक्षता में 27 जनवरी को मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी के आयोजन के सम्बन्ध में संगम सभागार में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उक्त प्रदर्शनी के लिए 20, 21 एवं 22 फरवरी 2026 पर सहमति व्यक्त की गयी है। बैठक में प्रदर्शनी आयोजित कराने के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी। प्रदर्शनी को 26 विभागों में बाँटा गया है, जिसमें बंगला उद्यान प्रतियोगिता, गमलों में लगे मौसमी फूल, शोभाकार हरे भरे पौध, कैक्टस एवं सकुलेन्ट पौधे, कटे गुलाब के फूल, कटे मौसमी फूल, पुष्प विन्यास, शाकभाजी, फल, खाद्य प्रसंस्करण के अन्तर्गत फलों से बने पदार्थ एवं प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, शहद, फोटोग्राफी एवं पेन्टिंग आदि की प्रतियोगिता आयोजित की जोयगी। साथ ही शहर के उद्यान प्रेमियों, व्यक्तिगत बंगलों के साथ-साथ सरकारी एवं अर्द्धसरकारी संस्थाओं के लॉन, रोज गार्डेन, बरामदा उद्यान व किचेन गार्डेन प्रतियोगिता भी 10, 11 व 12 फरवरी 2026 को किया जायेगा। प्रतिभागी विजेताओं को पुष्प प्रदर्शनी के अन्तिम दिन दिनांक 22 फरवरी को पुरस्कृत किया जायेगा। मण्डल के कृषक, बागवान एवं पुष्पों में अभिरूचि रखने वाले उक्त प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए प्रयागराज चन्द्रशेखर आजाद पार्क उद्यान अधीक्षक कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में आकर सम्पर्क किया जा सकता है।

वेयर हाउस संचालकों की वर्कशाप आज

भोपाल : वेयर हाउस संचालकों की वर्कशाप आज बुधवार को प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से होगी। वर्कशाप को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत और विषय-विशेषज्ञ संबोधित करेंगे।
जनसंपर्क अधिकारी राजेश पांडेय ने बताया कि वर्कशाप में वेयर हाउसों की क्षमता का पूर्ण उपयोग और आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के संबंध में गहन विचार विमर्श किया जायेगा।

मध्य प्रदेश में मौसम ने ली करवट, ठंड के बीच 20 से अधिक जिलों में हुई बारिश, आज 14 जिलों में अलर्ट

भोपाल : मध्य प्रदेश में मौसम अचानक करवट ले चुका है। ठंड के मौसम में प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिल रही है। मंगलवार को उज्जैन, गुना, आगर मालवा और शाजापुर में ओले गिरे, जबकि 20 से अधिक जिलों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को भी यही स्थिति बनी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) और ट्रफ सिस्टम के प्रभाव से मध्?य प्रदेश के मौसम में बदलाव आया है। राजधानी भोपाल, इंदौर, ग्?वालियर सहित 20 से अधिक जिलो में मंगलवार को गरज-चमक के साथ बारिश हुई, जिससे ठंड बढ़ गई है। आज बुधवार को प्रदेश के 14 जिलों ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सागर और दमोह में आंधी और बारिश का अलर्ट है। वहीं श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सीधी, सिंगरौली, कटनी, उमरिया, शहडोल, नीमच और मंदसौर समेत कई जिलों में बादल छाए रहने की संभावना है।

कोहरे का भी असर

उत्तर मध्य प्रदेश के जिलों में बारिश के साथ-साथ बुधवार सुबह कोहरे का भी असर देखने को मिला। ग्वालियर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर और रीवा में मध्यम कोहरा छाया रहा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रायसेन और सीहोर सहित अन्य जिलों में भी दृश्यता प्रभावित हुई। सीहोर में भी देर रात हुई बारिश के बाद बुधवार सुबह घना कोहरा छा गया, जिससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई। यहां न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दमोह जिले में रात की बारिश के बाद ठंड का असर फिर बढ़ गया।

आईसीएआई, रांची शाखा ने मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन-2 में दिखा खेल उत्साह

रांची: दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, रांची शाखा द्वारा भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आईसीएआई भवन में रांची शाखा अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया द्वारा ध्वज फहराया गया। इसके बाद कांके रोड स्थित अ स्क्वायर में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन - 2 का आयोजन किया गया। इस लीग में पुरुष चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का पांच टीम वेल्थ मटेर्स, रांची रॉयल्स, श्री श्याम सेना, रांची वारियर्स ऑफ रांची टोनेडोज और महिला चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की दो टीम रांची रॉयल और श्री श्याम सेना ने भाग लिया। इस लीग में पुरुष और महिला टीमों की मिलकर कूल 56 चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने खिलाडी के रूप में भाग लेकर इसके आयोजन में महत्वपूर्ण सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया।

महिला लीग में बेस्ट ऑफ थ्री टूर्नामेंट के बाद रांची रॉयल्स की टीम विजेता घोषित किया गया। दूसरी ओर पुरुष टीमों के मुकाबले में कठिन संघर्ष के बाद रांची वारियर्स ने वेल्थ मैटर्स को हराकर इस लीग के दूसरे सीजन की ट्रॉफी अपने नाम किया। इस लीग के आखिरी में रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया के द्वारा विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। साथ ही इस लीग के सभी टीमों के मालिकों सीए मनीष जैन, सीए संदीप जालान, सीए रणजीत गारोडिया, सीए जे पी शर्मा, सीए भुवनेश कुमार ठाकुर, सीए तिरु आशीष जालान, सीए निधि सराफ को लीग को सफल बनाने के लिए मेमेन्टोस देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रांची शाखा के उपाध्यक्ष सीए अनीश जैन, सचिव सीए भुवनेश कुमार ठाकुर, कोषाध्यक्ष विवेक खोवाल, कार्यकारिणी सदस्य सीए हरेन्दर भारती उपष्टित थे।

इस चार्टर्ड एकाउंटेंट्स बॉक्स क्रिकेट लीग का आयोजन सीए साकेत सराफ और सीए मनीषा बियानी के संयोजकता में आयोजित किया गया।

नगर निकाय चुनाव 2026 : झुमरी तिलैया कोडरमा व डोमचांच क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू

कोडरमा: राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 की घोषणा किए जाने के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने तथा असामाजिक तत्वों द्वारा मतदाताओं को डराने-धमकाने, हिंसा अथवा अव्यवस्था की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए कार्यपालक दंडाधिकारी, कोडरमा मनोज कुमार रवि द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत पूरे नगर परिषद झुमरी तिलैया, नगर पंचायत कोडरमा एवं नगर पंचायत डोमचांच क्षेत्र में 27 जनवरी के अपराह्न से निर्वाचन कार्यक्रम की समाप्ति तक निषेधाज्ञा लागू की गई है।

निषेधाज्ञा के प्रमुख प्रावधान इस प्रकार हैं:-

-बिना अनुमति किसी भी प्रकार के जुलूस, धरना, प्रदर्शन, आम सभा अथवा सड़क अवरोध पर रोक।

-लाठी, डंडा, भाला, गड़ासा, तीर-धनुष सहित किसी भी प्रकार के हरवे-हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध।

- बिना अनुमति बैठक, सभा, धरना तथा ध्वनि विस्तारक यंत्र के - किसी भी प्रकार के अग्नेयास्त्र, विस्फोटक या अस्त्र-शस्त्र लेकर चलना निषिद्ध।

- सार्वजनिक अथवा निजी संपत्ति पर नारा लेखन, पोस्टर-पंपलेट चिपकाना, झंडा, बैनर, होर्डिंग अथवा गेट लगाने पर प्रतिबंध।

- बिना अनुमति चुनाव प्रचार हेतु वाहनों एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर रोक।

-रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध। हालांकि, यह निषेधाज्ञा धार्मिक उपासना हेतु मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, करबला में एकत्र लोगों, शवयात्रा, विधि-व्यवस्था में लगे पदाधिकारी/कर्मचारी तथा सिखों द्वारा कृपाण एवं नेपालियों द्वारा खुखरी धारण पर लागू नहीं होगी। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 बी एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों, राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की है।

हमें आप पर गर्व है सर

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने अपने उत्कृष्ट कार्यों से जिला को दी है विकास गति

विनय मिश्रा

जमशेदपुर के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने जिला के सर्वांगीण विकास के साथ- साथ जन समस्याओं को जानने और सुनने के पश्चात तत्क्षण निष्पादन कर अपने बेहतर और उत्कृष्ट कार्यों से जिला को भरपूर विकास गति दी है। श्री सत्यार्थी ने पूर्वी सिंहभूम के 25 वें उपायुक्त के रूप में मई 2025 को तत्कालीन उपायुक्त अनन्य मित्तल से प्रभार ग्रहण किया था। इससे पूर्व वे गुमला के लोकप्रिय उपायुक्त रह चुके हैं। श्री सत्यार्थी के उपायुक्त के रूप में योगदान देने से पूरे जिले में विकास कार्यों को धरातल पर उतारने का कार्य जोरों पर है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क के साथ साथ मौलिक सुविधाओं के लिए भी निरंतर जुटे हुए हैं। समस्याओं को जानना, सुनना और उसका निष्पादन उपायुक्त की विशेषता है। ऐसे उपायुक्त से निश्चित तौर पर जिला के साथ साथ राज्य भी गौरवान्वित हुआ करता है।

नगर निकाय चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित कार्यक्रमों की दी गयी विस्तृत जानकारी

संवाददाता

दुमका: समाहरणालय के सभागार कक्ष में मंगलवार को जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।

प्रेस वार्ता के दौरान उपायुक्त ने राज्य निर्वाचन आयोग, झारखंड द्वारा जारी नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 की निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी मीडिया प्रतिनिधियों को दी। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया गया है, जिसके अनुसार संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार प्रपत्रझ5 में निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन दिनांक 28 जनवरी 2026 (बुधवार) को पूर्वाह्न 11:00 बजे किया जाएगा। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की तिथि 29 जनवरी 2026 से 04 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 05 फरवरी 2026, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 06 फरवरी 2026 तथा निर्वाचन

प्रतीक का आवंटन 07 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने आगे बताया कि यदि आवश्यक हुआ तो मतदान 23 फरवरी 2026 को प्रातः 07:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक कराया जाएगा, जबकि मतगणना 27 फरवरी 2026 को प्रातः 08:00 बजे से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि जिला अंतर्गत दुमका नगर परिषद एवं बासुकीनाथ नगर पंचायत के निर्वाचन की घोषणा की गई है। दुमका नगर परिषद के 21 वार्ड एवं बासुकीनाथ नगर पंचायत के 12 वार्ड तथा दोनों निकायों के अध्यक्ष पद का प्रत्यक्ष निर्वाचन गैर-दलीय आधार पर कराया जाएगा। मतदाता विवरण साझा करते हुए उपायुक्त श्री सिन्हा ने बताया कि दुमका नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत कुल 40,739 मतदाता हैं, जिनमें 20,738 पुरुष एवं 20,001 महिला मतदाता शामिल हैं। वहीं, बासुकीनाथ नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत कुल 14,254 मतदाता हैं, जिनमें 7,127 पुरुष एवं 7,127 महिला मतदाता हैं।

नगर परिषद दुमका में कुल 42 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 19 संवेदनशील, 18 अति संवेदनशील तथा 05 सामान्य मतदान केंद्र हैं। इसी प्रकार नगर पंचायत बासुकीनाथ में कुल 19 मतदान केंद्र हैं, जिनमें 03 संवेदनशील एवं 16 सामान्य मतदान केंद्र हैं। उपायुक्त ने बताया कि नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 बैलेट पेपर के माध्यम से कराया जाएगा। अध्यक्ष पद के लिए हल्का गुलाबी एवं वार्ड सदस्य के लिए सफेद रंग का बैलेट पेपर होगा। इस निर्वाचन में नोटा का प्रावधान नहीं होगा। निर्वाचन की घोषणा के साथ ही दिनांक 27.01.2026 से आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है।

निवार्ची पदाधिकारी विवरण :

नगर परिषद, दुमका

अध्यक्ष पद : अपर समाहर्ता, दुमका

वार्ड सं. 01-06 : अंचल अधिकारी, दुमका

वार्ड सं. 07-11 : प्रखंड विकास पदाधिकारी, मसलिया

वार्ड सं. 12-16 : अंचल अधिकारी, मसलिया

वार्ड सं. 17-21 : प्रखंड विकास पदाधिकारी, जामा

नगर पंचायत, बासुकीनाथ

अध्यक्ष पद : अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका

वार्ड सं. 01-06 : प्रखंड विकास पदाधिकारी, जरमुण्डी

वार्ड सं. 07-12 : अंचल अधिकारी, जरमुण्डी

सभी निवार्ची पदाधिकारियों के सहयोग हेतु दो-दो सहायक निवार्ची पदाधिकारी अधिसूचित किए गए हैं। नाम निर्देशन के लिए आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 29.01.2026 से 04.02.2026 तक (पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक) नाम निर्देशन पत्र स्वीकार किए जाएंगे। दुमका नगर परिषद के लिए नाम निर्देशन स्थल समाहरणालय के ब्लॉक-ए एवं ब्लॉक-सी में निर्धारित किया गया है, जबकि बासुकीनाथ नगर पंचायत के लिए प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय में नाम निर्देशन किया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा निर्धारित की गई है, जो इस प्रकार है–

दुमका नगर परिषद : अध्यक्ष पद 6,00,000, वार्ड पार्षद , 1,50,000

बासुकीनाथ नगर पंचायत : अध्यक्ष पद 5,00,000, वार्ड पार्षद 1,00,000

मतदान के समय मतदान केंद्र पर मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य होगा। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त मतदाता पहचान पत्र के माध्यम से पहचान की जाएगी। यदि किसी मतदाता के पास एढक्ठ उपलब्ध नहीं है, तो उसकी पहचान आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैकल्पिक दस्तावेजों के माध्यम से की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

नगर निकाय चुनाव के तिथि की हुई घोषणा

नामांकन दाखिल करने व चुनावी रणनीति में जुटे प्रत्याशी

चक्रधरपुर:नगर निकाय चुनाव 2026 की घोषणा होने के साथ-साथ नामांकन पत्र की बिक्री नामांकन पत्र दाखिल करने की तिथि तथा चुनाव और परिणाम की तिथि सार्वजनिक हो गई है इसके पश्चात से चक्रधरपुर नगर परिषद में राजनीतिक तापमान काफी बढ़ गया है ।

29 तारीख से नामांकन पत्र लेने की तिथि के फलस्वरुप प्रत्याशियों की संख्या और लड़ने वालों की दावेदारी भी अब स्पष्ट होने लगी है । चक्रधरपुर के कई वार्ड आरक्षित हो जाने की स्थिति में निवर्तमान वार्ड पार्षद अन्य वार्डो से चुनाव लड़ने का भी मन बना रहे हैं साथ ही साथ चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए जिन प्रत्याशियों की अध्यक्ष पद के चुनाव लड़ने कीक्षचर्चा जोरों पर है उनमें मुख्य रूप से सिंहभूम के सांसद श्रीमती जोबा माझी के पुत्र और मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक जगत माझी के अनुज उदय मांझी का नाम शामिल है। बताया जाता है कि उदय मांझी विगत काफी समय से सामाजिक कार्यों के साथ-साथ जन समस्याओं के निराकरण हेतु सतत प्रयत्नशील रहे हैं । युवा वर्ग में उनकी गहरी पेठ है तथा सभी लोगों के बीच वे

लोकप्रिय माने जाते हैं इसकी प्रमुख वजह यह है कि वह मृदु भाषी और आम जनों के बीच हमेशा दिखाई पड़ते हैं पूरे क्षेत्र में उनका लोगों के साथ प्रगाढ़ संबंध भी उन्हें लोकप्रिय बनाने के साथ-साथ उनकी स्थिति को दमदार बना रहा है उदय मांझी का स्पष्ट मानना है जन दबाव और लोगों के आकांक्षा के अनुरूप उन्होंने नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मैदान में उतारने का मन बनाया है क्योंकि जनता जनार्दन है और उनकी भावना का कद्र करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है वहीं उदय मांझी के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की घोषणा और जानकारी के पश्चात उनके समर्थकों में बेहद उत्साह देखा जा रहा है और संभावना व्यक्त की जा रही है कि 29 तारीख को वो अध्यक्ष पद के दावेदारी हेतु अपना नामांकन पत्र लेंगे। इस प्रकार से 23 फरवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए अध्यक्ष पद के चुनाव में प्रत्याशी के रूप में उनका नाम अब सार्वजनिक हो चला है और इस पद के चुनाव के लिए उनके समर्थन में तैयारी भी प्रारंभ कर दी है।

राजद जिलाध्यक्ष ने उपायुक्त से की कालाबाजारी रोकने और पर्याप्त स्टाम्प उपलब्ध कराने की मांग

दुमका: राष्ट्रीय जनता दल जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेंद्र कुमार यादव ने दुमका जिला मुख्यालय स्थित कोर्ट कैंपस में कोर्ट फी स्टाम्प की भारी किल्लत और इसकी आड़ में हो रही कालाबाजारी पर कड़ा रोष प्रकट किया है। उन्होंने इस संबंध में उपायुक्त दुमका को अवगत कराते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में जिले में चौकीदार के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिला है। नियुक्ति के बाद की औपचारिकताओं और कागजी प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए इन नवनियुक्त चौकीदारों को शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेजों के लिए कोर्ट फी स्टाम्प की सख्त जरूरत है। लेकिन कोर्ट कैंपस में वेंडरों के पास स्टाम्प उपलब्ध नहीं होने के कारण ये अभ्यर्थी और ग्रामीण क्षेत्र से आए गरीब लोग दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि दुमका एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जहाँ ग्रामीण इलाकों से आने वाले भोले-भाले लोगों को इस किल्लत का फायदा उठाकर बिचौलियों द्वारा ठगा जा रहा है। निर्धारित मूल्य के बजाय दो से तीन गुने अधिक दाम पर टिकट बेचे जा रहे हैं। एक तरफ नवनियुक्त चौकीदार अपनी नई सेवा को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर प्रशासन की लचर व्यवस्था और टिकटों की कालाबाजारी ने उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान कर दिया है।

राजद जिलाध्यक्ष ने प्रशासन से मांग किया है कि नवनियुक्त चौकीदारों और आम जनता की सुविधा के लिए कोर्ट परिसर में स्टाम्प टिकटों की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित की जाए।

स्टाम्प की कृत्रिम किल्लत पैदा कर अवैध वसूली करने वाले वेंडरों और बिचौलियों पर छापेमारी कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े कार्यों के लिए विशेष काउंटर की व्यवस्था हो ताकि अभ्यर्थियों को परेशानी न हो।

नगर निकाय चुनाव 2026 : जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अधिकारियों के साथ की बैठक, दिये आवश्यक दिशा- निर्देश

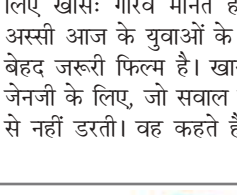

दुमका: जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 को लेकर सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान एक-एक कर वाहन कोषांग, कार्मिक कोषांग, लॉजिस्टिक कोषांग, मटेरियल कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, मीडिया कोषांग, लेखा कोषांग, एमसीसी कोषांग सहित अन्य कोषांगों की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी कोषांगों की तैयारियों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सभी कार्यों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी कोषांग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें एवं राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

सिर्फ नाम से शुरू हुई चर्चा, अब सवालों तक पहुंची फिल्म अस्सी

20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म अस्सी इन दिनों चर्चा में है, लेकिन किसी पोस्टर, सितारों के नाम या बड़े प्रचार के कारण नहीं बल्कि अपनी चुप्पी की वजह से। फिल्म की घोषणा अब तक केवल उसके नाम के जरिए की गई थी। न कास्ट की जानकारी, न निर्देशक या निर्माता का खुलासा। यही वजह है कि यह फिल्म दर्शकों के बीच जिज्ञासा का विषय बनी हुई है।

फिल्म का ट्रेलर बार्डर 2 के साथ सिनेमाघरों में दिखाया जा रहा है। इस बीच फल्म के लेखक गौरव सोलंकी ने अस्सी की सोच, उसकी कहानी और अपने सफर को लेकर विस्तार से बात की।

अस्सी एक संख्या नहीं, एक विचारः गौरव सोलंकी बताते हैं कि अस्सी सिर्फ एक टाइटल नहीं

है, बल्कि पूरी फिल्म की आत्मा है।

उनके अनुसार, यह एक ऐसा नंबर है, जिसकी अहमियत कहानी के साथ धीरे-धीरे खुलती है। फिल्म को जानबूझकर नाम के इर्द-गिर्द ही रखा गया, ताकि दर्शक पहले सवाल करें और फिर जवाब तलाशें।

अदालत से शुरू होकर समाज तक जाती कहानीः फिल्म की कहानी एक स्त्री पर हुए अपराध के बाद की घटनाओं से जुड़ी है। यह एक इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर भी है और कोर्टरूम ड्रामा भी। गौरव कहते हैं कि यह सिर्फ कानून की प्रक्रिया दिखाने वाली फिल्म नहीं है, बल्कि समाज की उस सोच पर भी सवाल उठाती है, जो ऐसे अपराधों को जन्म देती है। उनके शब्दों में, यह एक ऐसी फिल्म है जो खत्म होने के बाद शुरू होती है क्योंकि कहानी खत्म होने के बाद भी दर्शक के भीतर सवाल चलते रहते हैं।

युवाओं और छोटे शहरों के लिए खासः गौरव मानते हैं कि अस्सी आज के युवाओं के लिए बेहद जरूरी फिल्म है। खासकर जेनजी के लिए, जो सवाल पूछने से नहीं डरती। वह कहते हैं कि छोटे शहरों से आने वाले कंटेंट क्रिएटर्स और कहानीकारों के लिए यह दौर गर्व का है। अब सिनेमा का भविष्य सिर्फ सितारों पर नहीं, बल्कि विचार और लेखन पर टिका है। उत्तरी राजस्थान से मुंबई तक का सफरः गौरव सोलंकी का सफर भी उसी जमीन से निकला है, जिसकी कहानियां वह लिखते हैं। उत्तरी राजस्थान में पले-बढ़े गौरव बताते हैं कि फिल्मों का सपना उनके परिवार में किसी ने नहीं देखा था। इंजीनियरिंग की पढ़ाई और अच्छी नौकरी छोड़कर लेखन को चुनना आसान फैसला नहीं था। उनका कहना है कि मुंबई में शुरूआती साल संघर्ष से भरे रहे, लेकिन यह स्पष्ट था कि रास्ता यही है। वही अनुभव, वही सामाजिक सच्चाइयाँ आज उनकी कहानियों की ताकत बन गई हैं।

समाज को आईना दिखाने वाली फिल्मः गौरव साफ कहते हैं कि अस्सी किसी उपदेश के इरादे से नहीं बनी है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो समाज में हर व्यक्ति तक पहुंचना चाहती है। वह चाहते हैं कि छोटे शहरों के दर्शक, युवा, परिवार, सब इस फिल्म को देखें और इसपर बातचीत करें।

कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की ओर इशाराः लेखक का मानना है कि अस्सी जैसी फिल्में आने वाले समय में हिंदी सिनेमा की दिशा तय करेंगी। यह फिल्म सिर्फ देखने वाली नहीं, बल्कि दिखाने वाली फिल्म है, जो दर्शक को सोचने के लिए मजबूर करती है। अस्सी एक ऐसी फिल्म है जो सवाल बनकर सामने आती है और दर्शक को जवाब ढूँढने पर मजबूर कर देती है।